जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:174 दिनांक: 05-06-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से बात की है। वहीं, बिहार के सीएम नीतीश कुमार से मिलने बिहार भाजपा के अध्यक्ष और उनकी ही सरकार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सीएम हाउस पहुंचे।

लोकसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए और गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। रुझानों में एनडीए बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी है, लेकिन विपक्षी गठबंधन भी बहुत ज्यादा पीछे नहीं है।

अबकी बार बस नैया पार गठबंधन की बैसाखी के सहारे सरकार

एनडीए 293 और इंडिया गठबंधन को 232 सीटें , जोड़तोड़ की कोशिशें शुरू -नायडू-नीतीश पर निर्भर रहेगी नरेंद्र मोदी की तीसरी पारी!

अब एनडीए को मिल रही 295 में से इन दोनों की पार्टियों को मिल रही 30 सीटें घटा दें तो सत्ताधारी गठबंधन की टैली 265 सीट पर आ जाती है जो बहुमत के लिए जरूरी 272 के जादुई आंकड़े से सात कम है। नरेंद्र मोदी की तीसरी पारी नीतीश कुमार और नायडू के रुख पर ही निर्भर करेगी। मौके की नजाकत को भांपते हुए सत्ताधारी एनडीए के साथ ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक भी एक्टिव मोड में आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से बात की है। वहीं, बिहार के सीएम नीतीश कुमार से मिलने बिहार भाजपा के अध्यक्ष और उनकी ही सरकार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सीएम हाउस पहुंचे। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि नीतीश कुमार से सम्राट चौधरी की मुलाकात नहीं हो पाई। नीतीश ने एक दिन पहले ही दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की थी। अब सम्राट चौधरी से नीतीश की मुलाकात नहीं हो पाने के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। कयासों के बीच आरजेडी ने दावा किया है कि नीतीश कुमार ने कहा है कि वे बदले की राजनीति के पक्ष में नहीं हैं और वह कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, जेडीयू महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा है कि हम एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे।

नई दिल्ली, (ईएमएस)। लोकसभा की 543 में से 542 सीटों पर चुनाव के बाद मंगलवार को मतगणना हुई। रुझानों और जीत के आंकड़ों में भाजपा बहुमत से दूर है। उसे 32 से ज्यादा सीटों का नुकसान दिख रहा है। 2019 में पार्टी को 303 सीटें मिली थीं। हालांकि, एनडीए को बहुमत मिल गया है और उसकी सरकार बननी तय है। समाचार लिखे जाने तक रुझानों में एनडीए 294 और इंडिया गठबंधन को 232 सीटों पर आगे है। रुझानों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में एनडीए को नुकसान हुआ। इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट के अनुसार, शाम 7 बजे तक भाजपा को 239, कांग्रेस को 99, सपा को 38, टीएमसी को 29, डीएमके को 21, टीडीपी को 16, जेडीयू को 15, शिवसेना यूटीबी को 9, एनसीपी शरद पवार को 7, राजद को 4 और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को 5, शिवसेना शिंदे को 7 सीटें मिलती दिख रही हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम से यह साबित हुआ है कि राम मंदिर और योगी फैक्टर भी यूपी में भाजपा की जमीन नहीं बचा सका और भगवा पार्टी को राज्य में बड़ा झटका लगा है। बंगाल में भी टीएमसी, भाजपा पर भारी पड़ी है। महाराष्ट्र में भी भाजपा को शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की एनसीपी से कड़ी टक्कर दी है। भाजपा की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 295 सीटों के साथ तीसरी बार सरकार बनाती नजर आ रही है। 2014 और 2019 के चुनाव नतीजों के विपरीत इस बार भाजपा बहुमत के लिए जरूरी जादुई आंकड़े से पीछे रहती नजर आ रही है। एन फैक्टर के साथ शुरू हुए इन चुनावों के नतीजों ने भी एन फैक्टर ही दिया है। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए पीएम मोदी को नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की पार्टियों के रुख पर निर्भर रहना पड़ेगा। नीतीश और नायडू के रुख से ही सरकार तय होनी है। नीतीश की अगुवाई वाले जनता दल (यूनाइटेड) को 14 और नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 16 सीटें मिलती नजर आ रही हैं। ये दोनों दल भी एनडीए में हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनाव में जनता ने एक बार फिर चौंका दिया। लोकसभा चुनाव में आए जनादेश ने सारे अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। भाजपा बहुमत का आंकड़ा तक नहीं छू पा रही है। दो बार अपने दम पर सरकार बनाने वाली भाजपा इस बार गठबंधन की मदद से सरकार बना पाएगी। मतगणना के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने अपना संबोधन जय जगन्नाथ के नाम से शुरू किया। उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन के हम सभी ऋणी हैं। जनता ने भाजपा पर एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की यह विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। यह भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ, सबका विकास की जीत है। यह इस मंत्र की जीत है। यह 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आज देश के चुनाव आयोग का भी अभिनंदन करुंगा। चुनाव आयोग ने दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव इतनी कुशलता के साथ संपन्न कराया है। इस चुनाव में करीब 100 करोड़ मतदाता, 11 लाख पोलिंग स्टेशन, 55 लाख वोटिंग मशीन, 1.5 करोड़ मतदान कर्मियों ने साथ काम किया। भारत की चुनाव प्रक्रिया, चुनाव के पूरे सिस्टम पर हर भारतीय को गर्व है।

केंद्र में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनती दिख रही है - नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एनडीए की तीसरी बार सरकार बनने की संभावनाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बननी तय है। इसके लिए मैं देशवासियों का ऋणी हूं। ये विकसित भारत की जीत है। पीएम मोदी ने कहा, इस जनादेश के कई पहलू हैं। 1962 के बाद यह पहली बार है कि कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है।।।

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया को लेकर पीएम मोदी ने कहा, पूरा गठबंधन सारे विरोधी मिलकर उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी बीजेपी ने जीती। मोदी ने कहा कि एनडीए के तीसरे कार्यकाल में देश कई बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेगा।

पीएम मोदी ने इस दौरान अपनी दिवंगत मां को भी याद किया। मोदी ने कहा, आज का यह पल निजी तौर पर मेरे लिए भी भावुक करने वाला पल है। मेरी मां के जाने के बाद यह मेरा पहला चुनाव था। लेकिन सच मानिए देश की मां, बहनों और बेटियों ने मां की कमी मुझे खलने नहीं दी। मैं जहां-जहां भी गया। मुझे आशीर्वाद मिला। देश में महिलाओं ने वोटिंग के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। देश की माताओं बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत

पीएम मोदी ने कहा, आज की ये विजय, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। पीएम ने अपने कार्यकर्ताओं की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी गर्मी में भी आपके द्वारा बहाया गया पसीना मुझे काम करने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार का भी नाम लिया।

मोदी ने कहा, विधानसभा के चुनावों में एनडीए को भारी जीत मिली है। चाहे वो आंध्र प्रदेश हो, ओडिशा हो, सिक्किम हो या अरुणाचल प्रदेश। इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। कइयों का तो जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया होगा। लोकसभा चुनाव में भी ओडिशा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

यह पहली बार होगा, जब महाप्रभु जगन्नाथ जी की धरती पर बीजेपी का कोई सीएम होगा। बीजेपी ने केरल में भी सीट जीती है।

केरल के कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान दिए हैं। वो संघर्ष भी करते रहे और जन सामान्य की सेवा भी करते रहे। तेलंगाना में भी हमारे नंबर बढ़ गए हैं।

मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं ने इस चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग कर अभूतपूर्व उत्साह दिखाया है। दुनियाभर में भारत को बदनाम करने वाली जो ताकतें हैं, उनको आईना दिखा दिया है।

वाराणसी से पीएम मोदी तीसरी बार जीते

जीत के अंतर को लेकर चर्चाएं जोरों पर

वाराणसी,(ईएमएस)। वाराणसी लोकसभा सीट से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत दर्ज की है। प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार 1,52,513 वोट से चुनाव जीत लिया है। यह अलग बात है कि उनकी जीत का अंतर पिछले चुनाव 2014 और 2019 से कम रहा है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय चुनाव हार गए हैं। शुरु में उन्होंने काफी अच्छी फाइट दी थी, लेकिन जैसे-जैसे गिनती आगे बढ़ी वो पिछड़ते चले गए और अंततः पीएम मोदी विजयी घोषित हो गए।

यहां बतलाते चलें कि कुल 30 राउंड की मतगणना में प्रधानमंत्री मोदी को 6 लाख, 12 हाजर, 970 वोट हासिल हुए हैं। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय को 4लाख, 60हजार, 457 वोट मिले। आज मंगलवार सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू की गई थी। पहले राउंड की गिनती पूर्ण होने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय प्रधानमंत्री मोदी से आगे चल रहे थे। इसके बाद जैसे-जैसे मतगणना का दौर आगे चला पीएम मोदी बढ़त बनाते चले गए।

शाम होते-होते यही बढ़त जीत में परिवर्तित हो गई। इसी के साथ पीएम मोदी वाराणसी से तीसरी बार सांसद चुन लिए गए। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय ने भी अच्छी फाइट दर्ज की है। वाराणसी में पीएम मोदी की जीत के अंतर को लेकर सभी दूर चर्चा जारी है। खासतौर पर तब जबकि भाजपा नेता दावा कर रहे थे कि इस बार पीएम मोदी वाराणसी में इतिहास रचने जा रहे हैं, लेकिन महज डेढ़ लाख वोट ही उनकी जीत के तौर पर हासिल हुए हैं।

विधानसभा चुनाव : तेदेपा 127 सीटों पर आगे, गठबंधन का बेहतर प्रदर्शन

अमरावती,(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) 127 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं जनसेना पार्टी (जेएसपी) 17 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 7 सीटों पर आगे चल रही है। तेदेपा-भाजपा-जेएसपी गठबंधन मजबूत प्रदर्शन कर रहा है, जिसमें तेदेपा 90 विधानसभा क्षेत्रों में, जेएसपी 14 में और भाजपा 3 में आगे चल रही है।

विधानसभा चुनाव के लिए 13 मई को मतदान हुआ था और वोटों की गिनती 4 जून की सुबह शुरू हुई। आंध्र प्रदेश राज्य में कुल 175 विधानसभा सीटों और 25 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव हुए थे। तेदेपा-भाजपा-जेएसपी गठबंधन के मजबूत अभियान और वाईएसआरसीपी की शासन के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में असमर्थता को पार्टी के खराब प्रदर्शन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव में तेदेपा-भाजपा-जेएसपी गठबंधन की निर्णायक बढ़त आंध्र प्रदेश के राजनीतिक माहौल को बदल सकती है, जिसमें वाईएसआरसीपी केवल 22 सीटों पर पीछे चल रही है।

गठबंधन की संयुक्त 107 सीटें आंध्र प्रदेश के राजनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती हैं। 2019 में 22 सांसद सीटें और 151 विधायक सीटें जीतने के बाद, वाईएसआरसीपी 2024 के चुनाव में अपनी हार से अपमानित होती दिख रही है।

गठबंधन का सक्रिय अभियान और वाईएसआरसीपी की राज्य के शासन के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में असमर्थता उन कई कारकों में से केवल दो हैं जिन्होंने पार्टी के खराब परिणाम में योगदान दिया है। तेदेपा, भाजपा और जे. एस. पी. गठबंधन के स्पष्ट रूप से प्रभावशाली नेतृत्व के परिणामस्वरूप आंध्र प्रदेश का राजनीतिक माहौल बदल सकता है। केवल 22 सीटों पर बढ़त के साथ, वाईएसआरसीपी अपने विरोधियों से काफी पीछे हो रही है, यह सुझाव देते हुए कि सत्तारूढ़ दल को एक कठिन संघर्ष करना होगा।

'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे', पर यह क्या हुआ ?

अयोध्या (ईएमएस)। राम मंदिर के शिलान्यास से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक भाजपा और उसके समर्थकों ने एक ही गाना एक स्वर में गाया, 'जो राम को लाये हैं, हम उनको (भाजपा) को लायेंगे।' लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। भाजपा को फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर ही मुंह की खानी पड़ गयी। इस चुनाव परिणाम ने ही पूरे देश को चौंका दिया है। अयोध्या की फैजाबाद सीट ही नहीं अगल-बगल अंबेडकरनगर, बस्ती, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, श्रावस्ती आदि सीटों पर भाजपा की पराजय लंबे समय तक भाजपा को सालने वाली रहेगी।

यह पहला मौका नहीं था जब अयोध्या और राम मंदिर को मुद्दा बनाकर वोट की सियासत साधने की कोशिश की गई। वर्ष 1986 में राम जन्मभूमि का ताला खुलने से लेकर बीते जनवरी में राम मंदिर में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बीच चार दशक की अवधि में अयोध्या व उत्तर प्रदेश ही नहीं देश की राजनीति ने यहां से करवटें ली हैं। एक तरह से राम मंदिर आंदोलन की पृष्ठभूमि में भाजपा और आरएसएस ने इसे अपनी सियासत की प्रयोगशाला बना लिया, लेकिन इसे अयोध्या की खूबी कहें या कुछ और, इस अवधि में चुनाव चाहें लोकसभा के हुए हों, विधानसभा या निकायों के, अयोध्या ने समय-समय पर चौंकाने वाले परिणाम दिए हैं। बीते विधानसभा के चुनाव और अयोध्या नगर निगम के चुनाव में भी चुनाव परिणामों से भाजपा भौचक रह गई थी।

अयोध्या का राम मंदिर आंदोलन एक तरह से वर्ष 1985 में परवान चढ़ना शुरू हुआ। जब जेल जैसे लोहे के सींकचों के बीच रामलला ताले में कैद थे और उनकी मुक्ति का विहिप ने आंदोलन शुरू किया। एक फरवरी 1986 को अदालत के आदेश से राम जन्मभूमि का ताला खुला तो अयोध्या को भाजपा ने एक तरह के अपनी ऊर्जा का केंद्र बना लिया। राम मंदिर आंदोलन शुरू होने के बाद कांग्रेस की जड़ लगभग यहां से उखड़ गई। वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मित्रसेन यादव ने कांग्रेस के निर्मल खत्री को पराजित कर इस सीट पर कब्जा किया, लेकिन 1995 में भाजपा के विनय कटियार यहां के सांसद हुए और लगातार दो बार जीते। चौंकाने वाला परिणाम फिर 1998 में लोकसभा चुनाव में आया जब सपा के मित्रसेन यादव ने भाजपा को मात दे दी। 1999 में विनय कटियार फिर सांसद चुने गए, लेकिन मित्रसेन यादव ने 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट से लड़कर इस सीट पर कब्जा कर लिया।

योगी आदित्यनाथ की पहली सरकार आई तो उन्होंने अयोध्या को नगर निगम का दर्जा दिया तो उस समय अयोध्या जिले की सभी पांच विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा था। चौंकाने वाले परिणामों की दृष्टि से देखें तो इतना सबकुछ करने के बाद 2022 में विधानसभा के चुनाव हुए तो अयोध्या जिले की पांच में से दो विधानसभा सीटें क्रमशः गोसाईगंज और मिल्कीपुर समाजवादी पार्टी ने छीन ली। यह तब हुआ जबकि अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की आधारशिला रखी थी। उम्मीद थी कि इसका असर विधानसभा चुनाव में दिखेगा और भाजपा को लाभ होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद मई 2023 में हुए नगर निकाय चुनाव में भाजपा अपने इतने पार्षद भी नहीं जिता पाई कि अयोध्या निगम बोर्ड में उसका बहुमत हो जाए। नगर निगम के चुने गए नए मेयर के वार्ड में भी भाजपा को हराकर निर्दल पार्षद जीत गया। वहीं राम मंदिर जिस वार्ड में है, उस वार्ड में भी भाजपा को मुंह की खानी पड़ी और वहां से जमीन कारोबारी एक मुसलमान निर्दल पार्षद बन गया।

इसी तरह अयोध्या में आरएसएस के बने नए मुख्यालय साकेतपुरी वार्ड में भी भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी और यहां भी एक मुस्लिम महिला निर्दल पार्षद चुन ली गईं। यह अलग बात है कि अब कई निर्दल पार्षदों को दल में शामिल कराकर भाजपा का नगर निगम बोर्ड से बहुमत हो गया। अब जब 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजे आए तो इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद लगभग 47 हजार से भी अधिक वोटों से जीत गए। भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हैट्रिक बनाने से चूक गए। वहीं राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र के पुत्र साकेत मिश्रा भी श्रावस्ती लोकसभा सीट से करीब 70 हजार वोटों से हार गए।

राहुल गांधी की रिकॉर्ड जीत, तीन लाख 90 हजार वोटों से भाजपा प्रत्याशी को हराया

रायबरेली (ईएमएस)। यूपी की वीवीआईपी सीट रायबरेली में एक बार फिर गांधी परिवार ने जीत का परचम फैलाया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी यहां बड़े अंतर से चुनाव जीतने में सफल रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी यूपी सरकार में मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को करीब तीन लाख 90 हजार वोटों से हराया।

रायबरेली लोकसभा सीट पर गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत ने कांग्रेसियों को काफी लंबे असरे बाद झूमने का मौका दिया। इस बार की जीत बहुत खास रही है। गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतरे थे और पूरे देश की निगाह रायबरेली परिणाम पर लगी थी। वहीं कांग्रेस का दुर्ग जीतने की मंशा सफल न होने से भाजपाइयों में बहुत मायूसी रही। कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से बचता रहा। रायबरेली में कांग्रेसियों को 2019 लोकसभा चुनाव बाद खुश होते देखा गया। इससे पहले विधानसभा चुनाव 2022 में हार के साथ कांग्रेस की गिरते ग्राफ से कांग्रेसियों के चेहरे पर चहक गायब हो गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को संजीविनी देने का काम किया। खासकर रायबरेली में कांग्रेसियों का उत्साह उसी समय से चरम पर था, जब राहुल गांधी ने नामांकन पत्र भरा था।

शुरू से ही सपा और कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता जीत के लिए आश्वस्त नजर आए। मंगलवार को ईवीएम खुली और जैसे-जैसे राहुल गांधी लीड लेते रहे, वैसे-वैसे भीषण गर्मी को दरकिनार कर कांग्रेसियों का उत्साह चरम पर पहुंचता रहा। सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर जमा कांग्रेसियों के चेहरे पर जीत की खुशी दिखी। इस दौरान कांग्रेस ने बड़ा मंगल पर भंडारा का आयोजन कराया। जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं भाजपा के अटल भवन स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ता टीवी स्क्रीन पपर लोकसभा चुनावों को परिणाम को देखते नजर आए। पार्टी की हार से कार्यकर्ता बेहद मायूस दिखे। करीब 10 साल बाद भाजपा कार्यालय में उदासी दिखी। इस चुनाव में बसपा की सक्रियता नहीं दिखी। पार्टी प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव ने सरेनी को छोड़कर कहीं भी चुनाव प्रचार नहीं किया। शहर के राणा नगर में पार्टी का चुनाव कार्यालय खोला गया था, जिसे 18 मई को ही बंद कर दिया गया। मतगणना के दौरान भी बसपाई नदारद रहे।

नतीजे देखकर शेयर बाजार में हाहाकार,सेंसेक्स 4390 अंक , निफ़्टी 1379 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। लोक सभा चुनावों के परिणामों के बाद बाजार बिकवाली हावी होने से टूटा है, इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में मार्च 2020 के बाद से आज सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट आई। आज इंट्रा-डे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 6 हजार अंकों की गिरावट लेते हुए 70,234.43 के निचले स्तर तक भी चला गया था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में यह 5.74 फीसदी करीब 4389.73 अंक नीचे आकर 72,079.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 5.93 फीसदी तकरीबन 1,379.40 अंक नीचे आकर 21,884.50 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल लगभग ज्यादातर कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। एनटीपीसी, पावर ग्रिड और एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आया। वहीं गत दिवसय ये शेयर ऊपर आये थे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर 6 फीसदी बढ़ा। इसके साथ ही नेस्ले इंडिया, टीसीएस, एशियन पेंट और सनफार्मा के शेयर भी लाभ के साथ ऊपर आये।

बाजार में ये गिरावट सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी गठबंधन को उम्मीद से कम सीटें मिलने और बहुमत के आंकड़े से पीछे रहने के कारण आई है।

बाजार जानकारों ने कहा कि परिणामों को लेकर अनिश्चितताओं के कारण घरेलू बाजारों में आज गिरावट रही। विदेशी निवेशकों को बिकवाली से भी बाजार गिरा है।

सबसे ज्यादा गिरावट अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी पोर्ट्स के शेयर में आई जो 19 फीसदी तक गिर गए। अदाणी ग्रुप के अन्य शेयर भी 9 से 19 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार रहे हैं।

वहीं गत दिवस बाजार एग्जिट पोल के परिणामों के बाद भारी बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह

लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान ही बाजार खुलते ही औंधे मुंह लुढ़क गया और शुरुआती कारोबार बीएसई सेंसेक्स दो हजार से ज्यादा अंक फिसल गया। सेंसेक्स गिरावट के साथ 76,285.78 अंक पर खुला और खुलते ही 74,234.79 अंक के निचले स्तर तक चला गया। सेंसेक्स 2554.56 अंक की गिरावट के साथ 74,102.62 पर कारोबार देखा जा रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 में भी 553.60 अंक की गिरावट के साथ 22,710.30 प्रतिशत पर कारोबार दर्ज ?किया गया। सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। एनटीपीसी और एसबीआई का शेयर सबसे अधिक गिरा।

केएल शर्मा ने स्मृति ईरानी को हराया तो प्रियंका गांधी ने कहा- किशोरी भैया मुझे कभी कोई...

अमेठी : केंद्रीय मंत्री भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी को अमेठी से हराने वाले किशोरी लाल शर्मा के सांसद बनने पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा काफी भावुक हो गईं। उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किशोरी लाल शर्मा के साथ पुरानी तस्वीर साझा करते हुए अपनी भावनाएं कुछ यूं व्यक्त कीं, उन्होंने लिखा-''किशोरी भैया, मुझे कभी कोई शक नहीं था, मुझे शुरू से ही यकीन था कि आप जीतोगे।''

प्रियंका ने इस जीत पर किशोरी लाल और अमेठी के लोगों को बधाई देते हुए आगे लिखा- आपको और अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1999 में पहली बार अमेठी सीट पर अपनी मां सोनिया गांधी के चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी।

प्रियंका ने अमेठी के लोगों को बधाई देते हुए आगे लिखा- आपको और अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1999 में पहली बार अमेठी सीट पर अपनी मां सोनिया गांधी के चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी। अमेठी में 2004 2009 2014 व 2019 में भाई राहुल गांधी के चुनाव प्रचार की बागडोर भी प्रियंका ने अपने हाथों में ले ली थी।

राष्ट्रपति के पास सरकार बनाने का दावा ,इंडिया गठबंधन की बैठक 5 जून को

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव परिणाम का रुझान आने के बाद 5 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक दिल्ली में होने जा रही है। सभी घटक दल इस बैठक में शामिल होंगे। सरकार बनाने या विपक्ष में बैठने के बारे में इंडिया गठबंधन निर्णय लेगा।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंडिया गठबंधन की कई क्षेत्रीय दलों के साथ बातचीत चल रही है। उनका समर्थन मिल जाता है,तो कल इंडिया गठबंधन सरकार बनाने का दावा राष्ट्रपति के पास पेश कर सकता है। इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत नहीं मिला है। भारतीय जनता पार्टी 239 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। एनडीए गठबंधन के पास 290 सीटें हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के पास 235 सीट हैं। इंडिया गठबंधन को आशा है,आंध्र और बिहार से उन्हें समर्थन मिल सकता है।इंडिया गठबंधन भी सरकार बना सकती है। इसका फैसला 5 जून की बैठक में लिया जाएगा।

एनडीए गठबंधन की ओर से सरकार बनाने का दावा

भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस आशय की घोषणा की। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी सहयोगी दलों के साथ फोन पर बात हो गई है।भाजपा जल्द ही राष्ट्रपति के पास सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। जल्द ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ ले सकते हैं।

बहुमत से दूर लेकिन इन राज्यों में एनडीए गठबंधन ने किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की 543 सीटों वाली संसद में बहुमत के लिए 272 का जादुई आंकड़ा छूना जरूरी है। हालांकि, अब तक भारतीय जनता पार्टी सहित कोई भी दल इससे काफी पीछे नजर आ रहे है। हालांकि, भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए ने आंकड़ा पार भी कर लिया है। हालांकि कई राज्य हैं, जहां एनडीए क्लीन स्वीप कर विपक्ष के खिलाफ एकतरफा जीत हासिल कर ली है।

एनडीए गठबंधन मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करता दिख रहा है। भाजपा अरुणाचल प्रदेश की 2, त्रिपुरा की 2, हिमाचल प्रदेश की 4, उत्तराखंड की 5 और राजधानी दिल्ली की 7 सीटों पर आगे चल रही है। इन सभी को मिलाकर भाजपा 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज करने की तैयारी में है।

लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव में 62 सीटों पर जीतने वाली भाजपा 40 का आंकड़ा भी नहीं छू पा रही है। वहीं, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर 44 सीटों पर आगे चल रही हैं। हालांकि, राज्य में एनडीए गठबंधन में राष्ट्रीय लोकदल भी शामिल है, लेकिन वह भी 2 सीटों पर ही बढ़त बनाए हुए है। सीटों की संख्या के लिहाज से 80 सीटों वाला उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है।

इसके अलावा भाजपा को पश्चिम बंगाल से भी खासी उम्मीदें थीं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राज्य में सीटें बढ़ने की संभावनाएं जता रहे थे। भारत निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि पार्टी अब तक महज 9 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है और तृणमूल कांग्रेस 32 सीटों पर आगे है। बीते लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा ने 17 सीटें अपने नाम की थीं।

क्रिकेटर से नेता बने यूसुफ पठान.....अधीर बाबू को हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में क्रिकेटर यूसुफ पठान ने बहरामपुर सीट जीत ली है। तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की ओर से चुनाव मैदान पर उतरे यूसुफ ने कांग्रेस के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया है। पठान 2007 और 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रह चुके है। 41 वर्षीय पठान का बहरामपुर सीट पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और बीजेपी नेता निर्मल कुमार साहा से मुकाबला था। युसुफ पठान को 4,08,240 वोट मिले। उन्होंने पिछली लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे अधीर रंजन चौधरी पर 59,351 वोटों से हराया। अधीर बाबू को 3,48,889 वोट मिले। बीजेपी नेता करीब 3,12,876 वोट के साथ तीसरे नंबर हैं।

बता दें कि कई क्रिकेटर पहले भी लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंच चुके हैं। इसमें गौतम गंभीर, नवजोत सिंह सिद्धू, मोहम्मद अजहरुद्दीन, कीर्ति आजाद, चेतन चौहान शामिल हैं। गंभीर 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से मैदान पर उतरे थे और जीते भी थे।

15 सेंकड़ की चुनौती देने वाली नवनीत को जनता ने दी पटखनी

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के अमरावती से चौंकाने वाली खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि भाजपा प्रत्याशी नवनीत कौर राणा चुनाव हार गई हैं। अमरावती में नवनीत का मुकाबला महाविकास आघाड़ी के कांग्रेस नेता बलवंत वानखड़े से था। मुकाबले में वानखड़े अमरावती से नवनीत को पटखनी दे दी। हालांकि, दोनों के बीच मुकाबला काफी टक्कर का था। कभी नवनीत लीड कर रही थीं, तब कभी बलवंत। लेकिन जनता ने अंततः बलवंत को चुना। अमरावती सीट पर दूसरे चरण में वोट डाले गए थे। 26 अप्रैल को हुई वोटिंग में कुल 63.67 फीसदी लोगों ने मतदान किया था। अमरावती लोकसभा सीट कई बार शिवसेना के पास रही है, लेकिन बीजेपी कभी नहीं जीती है। नवनीत ने भी बतौर निर्दलीय जीत हासिल की थी, लेकिन इस

जन हितैषी

तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी?

लोकसभा चुनाव 2024 का रुझान 4 जून को सामने आ गया है। एनडीए गठबंधन लगभग 295 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं इंडिया गठबंधन 231 सीटों पर बढ़त बनाये हुए है। अन्य 17 जो किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं वह अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने इस लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष के सभी दावों को खोखला साबित किया है। इसके साथ ही संविधान, संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए जिस तरह से उन्होंने लड़ाई लड़ी है, इसके लिए विपक्ष बधाई का पात्र है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को धीरे से इतना जोर का झटका लगेगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। हिंदी भाषी राज्यों में 2019 की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को सभी राज्यों में नुकसान हुआ है। चुनाव के जो प्रारंभिक रुझान देखने को मिले उसके अनुसार एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी को 241 सीटों पर बढ़त है। दोपहर 3 बजे तक का यह रुझान था। इस रुझान को देखते हुए कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर यह चुनाव लड़ा गया था। भाजपा सबसे बड़ी बहुमत वाली पार्टी है और वही सरकार बनाने का दावा करेगी। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति द्रोपदि मुर्मू प्रधानमंत्री की शपथ के लिए नरेंद्र मोदी को आमंत्रण देंगी। सदन में बहुमत साबित करने के लिए कुछ दिन का समय उन्हें मिलेगा। इंडिया गठबंधन को यदि स्पष्ट बहुमत भी मिल जाता है, इसके बाद भी प्रधानमंत्री पद की शपथ नरेंद्र मोदी ही लेंगे। इस बात की पूरी संभावना है।

5 साल पहले 30 मई 2019 को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसी स्थिति में वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भाजपा में अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखने के लिए, नरेंद्र मोदी और अमित शाह हर संभव प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर अन्य राजनीतिक दलों को एनडीए गठबंधन में शामिल होने के लिए वह बेहतर प्रयास कर पाएंगे। भाजपा में जिस तरह से अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को लाया गया था। 400 पार का जो नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था। उस स्थिति में भाजपा का कोई भी नेता उन्हें चुनौती देने की स्थिति में नहीं था। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को घर बैठा दिया है। भाजपा में अन्य विचारधारा के लोगों को लाकर संगठन और सत्ता के मुख्य पदों पर बैठाया गया है। राज्यों के कद्दावर नेताओं को लगातार कमजोर किया गया है। इस कारण पार्टी के अंदर प्रधानमंत्री मोदी और शाह को लेकर नाराजी है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह यहां तक की उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र एवं गुजरात के बड़े नेता जिस तरह से पार्टी के अंदर साइड लाइन किए गए, उससे भाजपा नेताओं के बीच में नाराजी है। एक बार फिर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में पार्टी में अभी जो विरोध है, उसे आसानी से दबाया जा सकता है। रुझान में एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में एनडीए गठबंधन के नेताओं को मंत्रिमंडल में स्थान देकर, उन्हें एकजुट करके रखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसमें कोई कष्ट नहीं होगा।

इंडिया गठबंधन के पास चुनाव परिणाम घोषित होने तक, यदि इंडिया गठबंधन की सीट एनडीए गठबंधन से ज्यादा हो जाती है, ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन की सरकार बन सकती है। एनडीए गठबंधन के कुछ घटक दल, एनडीए छोड़कर इंडिया गठबंधन में भी शामिल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पिछले 10 सालों में अपने सहयोगी दलों के साथ कोई अच्छा व्यवहार नहीं किया। जैसा अटल जी के कार्यकाल में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 10 सालों में घटक दलों को कमजोर करते हुए, उन्हें काफी कमजोर किया गया था। महाराष्ट्र में शिवसेना, पंजाब में अकाली दल, बिहार में नीतीश के जनता दल और आंध्रा में टीडीपी के साथ तथा अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के साथ समय-समय पर भाजपा का टकराव देखने को मिला है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार में सार्वजनिक रूप से यह कह दिया था। क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में क्षेत्रीय दलों का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के प्रति वैसा नहीं रहा, जैसा अटल जी के टाइम पर था। जिस तरह से महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी को पिछले वर्ष तोड़ा गया, इसी तरह से बिहार में पशुपति पारस और चिराग पासवान के बीच में बंटवारा कराया गया। भाजपा के अंदर भी जो ताकतवर नेता थे उन्हें पिछले 10 वर्षों में या तो घर बैठा दिया गया या उनका हाल वसुंधरा राजे सिंधिया और शिवराज सिंह चौहान सरीखा कर दिया गया।

यदि इंडिया गठबंधन 270 सीटों के आसपास भी पहुंच गया। ऐसी स्थिति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए फिर सरकार में बने रहना मुश्किल हो जायेगा। 2024 के वर्तमान चुनाव परिणाम को देखने से इतना संतोष जरूर किया जा सकता है कि संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर जो दबाव अभी तक केंद्र सरकार का बना हुआ था। संविधान के संकट को लेकर जो बात की जा रही थी। संसद में बिना चर्चा के जो कानून बहुमत के आधार पर पास कराए जा रहे थे। उस पर अब अंकुश लग जायगा। 1989 से 2014 तक केंद्र में गठबंधन की सरकार रही है। 2014 से 2024 तक के 10 साल के कार्यकाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार थी। एक बार फिर गठबंधन की सरकार केंद्र में बनने जा रही है। ऐसी स्थिति में यह निश्चित है, जो भी सरकार बनेगी उस पर संविधान और संसद का अंकुश बना रहेगा। मतदाताओं ने एक बार फिर अपनी ताकत को साबित कर दिया है। वर्तमान राजनीतिक समीकरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की तिकड़ी सत्ता में बनी रहे। इसके लिए हर संभव प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पास अब इतनी ताकत नहीं होगी, कि वह संसद अथवा पार्टी संगठन में अपनी मनमानी कर पाएं। एक बार फिर से लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं के मजबूत होने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 पार का जो नारा दिया था। वही सारे देश भर में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्हीं के नाम पर सारे भाजपा के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे। करारी पराजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह संगठन ओर सरकार में पहले की तुलना में बहुत कमजोर हो गए हैं।

चिंता की बात.....लड़कों से ज्यादा लड़कियां पी रहीं सिगरेट-बीड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है... सिगरेट के पैकेटों पर वैधानिक चेतावनी लिखी होने के बावजूद युवाओं में इसकी लत बढ़ती जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की नई रिपोर्ट बताती है कि एक दशक में भारत में सिगरेट-बीड़ी पीने वाले कम उम्र के लड़के और लड़कियों की संख्या बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देशभर में तंबाकू का सेवन करने वालों की कमी आई है, लेकिन सिगरेट या बीड़ी की खपत बढ़ गई है। चिंता की बात ये हैं कि अब कम उम्र की लड़कियों में सिगरेट-बीड़ी पीने की लत तेजी से बढ़ती जा रही है।

रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच यानी 10 साल में स्मोकिंग करने वाली लड़कियों की संख्या दोगुनी हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2009 में देश में 2.4 प्रतिशत लड़कियां स्मोकिंग करती थीं। जबकि, 2019 में ये बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई। यानी, इन 10 सालों में स्मोकिंग करने वाली लड़कियों की संख्या 3.8 प्रतिशत बढ़ गई।

इस तरह 2009 में 5.8 प्रतिशत लड़के स्मोकिंग करते थे। 2019 में इनकी संख्या बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गई। यानी, 10 साल में स्मोकिंग करने वाले लड़के 2.3 प्रतिशत बढ़ गए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि नई पीढ़ी को स्मोकिंग की लत ज्यादा तेजी से लग रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2017 में 1.5 प्रतिशत वयस्क महिलाएं ऐसी थीं, जो स्मोकिंग करती थीं। जबकि, 2019 में 6.2 प्रतिशत लड़कियों की स्मोकिंग करने की बात सामने आई है। इस बारे में एक महिला जानकार ने बताया कि नई पीढ़ी सिगरेट पीने को कूल समझती है। लड़कों से बराबरी करने और उनकी तरह ही कूल दिखने के लिए आजकल लड़कियां भी सिगरेट पीने लगीं हैं। जानकारों का मानना है कि आजकल फिल्मों में महिला अभिनेत्रियों को सिगरेट पीते दिखाया जाता है, यह देखकर भी लड़कियों में स्मोकिंग की लत बढ़ रही है।

बीते कई सालों में ई-सिगरेट का चलन भी भारत में काफी तेजी से बढ़ा है। आम सिगरेट की तुलना में इनके कम हानिकारक होने का दावा किया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, भारत में लगभग 27 करोड़ लोग हैं, जो किसी न किसी तंबाकू उत्पाद का सेवन करते हैं। भारत में तंबाकू से हर साल साढ़े 13 लाख मौतें भी होती हैं।

मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि स्मोकिंग न करने वालों की तुलना में स्मोकिंग करने वालों में प्रीमैच्योर डेथ का खतरा 31 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के 2019 में हुए ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के मुताबिक, 2009 में भारत की 8.1 प्रतिशत आबादी स्मोकिंग करती थी, जो 2019 में घटकर 7.1 प्रतिशत हो गई। इस तरह 2009 में लगभग 15 फीसदी आबादी किसी न किसी तंबाकू उत्पाद का सेवन करती थी, जिनकी संख्या भी 2019 में घटकर 9 फीसदी पर आ गई।

जन अभियान बने पर्यावरण संरक्षण

(5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष)

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के परि उपसर्ग (चारों ओर) और आवरण से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है, जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं, और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

तीन वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

भारत का पहला पर्यावरण आंदोलन बिश्नोई आंदोलन था। अमृता देवी ने इस प्रयास का नेतृत्व किया था। जिसमें 363 लोगों ने अपने जंगलों के संरक्षण के लिए अपनी जान दे दी। पेड़ों की सुरक्षा के लिए उन्हें गले लगाने या आलिंगन देने की अवधारणा स्थापित करने वाला यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

रूढ़िवादी परम्पराओं के नाम पर महिलाओं का शोषण!

पश्चिमी अफ्रीका में स्थित सबसे छोटा देश गाम्बिया आज़कल पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कहने को इस देश की आबादी महज़ 26 लाख है, लेकिन यहां की संसद में एक ऐसा विधेयक लाया गया है। जो काफ़ी हैरान करने वाला है। इस विधेयक के अनुसार महिलाओं के ख़तना करने की बात कही गई है। जबकि साल 2015 में ही महिलाओं के खतना पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन बीते दिनों 8 नाबालिग़ बच्चियों का ख़तना करने को लेकर विवाद इतना गरमाया कि इस मामले में तीन महिलाओं को सजा देनी पड़ी। ऐसे में इस बहस ने पूरे देश के जनमत को दो हिस्सों में बांट दिया। एक पक्ष महिलाओं के ख़तना करने के पक्ष में खड़ा हो गया। जो समाज, संस्कृति और परम्परा के नाम पर महिलाओं का शोषण करने की वकालत कर रहा है जबकि दूसरा पक्ष महिलाओं का पक्षधर है जो इस प्रथा का विरोध कर रहा है। विडंबना देखिए कि अगर ये विधेयक कानून बन गया तो इस कुप्रथा को अपनाने वाला गाम्बिया दुनिया का पहला देश बन जाएगा और अगर ऐसा होता है तो सौ फीसद मुमकिन है कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसे मज़हब के नाम पर महिलाओं के शोषण के हथियार के तौर पर देखा जाने लगेगा।

महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच आज भी अधिनायकवादी है। यही वज़ह है कि कहने को तो हम आधुनिक हो चले हैं, लेकिन हमारे समाज में अब भी कुछ रूढ़िवादी परम्पराएं हैं जो सदियों से जस की तस चली आ रही हैं। इनमें महिलाओं का फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (एफजीएम) यानी खतना भी शामिल है। वैसे देखा जाए तो परम्पराओं के नाम के पर महिलाओं का शोषण सदियों से होता आया है। हमारे रीति रिवाज़ को आगे बढ़ाने का काम महिलाओं के जिम्मे ही रहा है। ख़ास कर खतना जैसी कुप्रथा के पीछे भले ही धार्मिक चोला पहनाया जाता रहा हो, लेकिन असल मकसद महिलाओं की यौन इच्छाओं पर नियंत्रण करना है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन कि माने तो बच्चियों का कम उम्र में ही खतना कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया में एक्सटर्नल प्राइवेट पार्ट के उन हिस्सों को कट किया जाता है, जिनसे यौन इच्छाओं का संबंध होता है। इसके पीछे महिलाओं के शादी के पहले संबंध न बनाने, या फिर यौन सुख से दूर रखने की सोच होती है। विडंबना देखिए कि इस दर्दनाक प्रक्रिया के दौरान न तो बेहोश किया जाता और न ही कोई डॉक्टर निगरानी के लिए मौजूद होता है। इस दर्दनाक प्रक्रिया के दौरान कई मासूम लड़कियों की मौत तक हो जाती है।

हमारा समाज आज भी एक लड़की को वस्तु की तरह ही देखता आया है। लड़की को छोटी सी उम्र से ही ये अहसास दिलाया जाता है कि वे पराया धन है उन्हें शादी करके दूसरा घर बसाना है। यहां तक कि ख़ुद से बड़ी उम्र के पुरूष के लिए सम्भावित दुल्हन के रूप में देखा जाने लगता है। उन्हें शारीरिक पवित्रता की परीक्षा देने के लिए मजबूर किया जाता है। एक लड़की को बचपन से ही पितृसत्तात्मक समाज के ढांचे में फ़िट रहने की क़वायद शुरू कर दी जाती है। उसके उठने, चलने या बोलने से लेकर शारिरिक ज़रूरत तक को कंट्रोल करने का काम किया जाता है। घर की इज़्ज़त मान मर्यादा को जोड़कर बंदिशें लागू कर दी जाती है। गाम्बिया का यह प्रकरण देश दुनिया की महिलाओं के लिए एक सीख लेकर आया है। महिला अधिकारों की बातें करना और उसे हक़ीक़त में लागू करना इन दोनों ही बातों में ज़मीन आसमान का फर्क है। महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए सदियों से संघर्ष करना पड़ा है। आज भी पितृसत्तात्मक समाज महिलाओं को अपने हाथों की कठपुतली बनाकर रखना चाहता है तभी तो उन्हें मिले अधिकारों को भी छिनने की कोशिश की जाती रही है। गाम्बिया की महिलाएं भी अभी ऐसे ही दर्द को झेलने पर मजबूर है। महिलाओं की राजनीति में बराबर की भागीदारी होना बहुत जरूरी है वरना कब उन्हें बंदिशों में बांध दिया जाए कोई नहीं कह सकता। गाम्बिया की महिलाओं को ही देखें तो यहां उनके दर्द को आवाज़ तक नहीं मिली। जिसकी सबसे बड़ी वजह यहां की संसद में महिलाओं की संख्या कम होना है। यहां की संसद में 92 फ़ीसदी पुरुष है ऐसे में इस बात की गारंटी कैसे ले सकते है कि पुरुष महिलाओं के पक्ष में फैसला लेंगे? इस विधेयक का 4 के मुकाबले 42 मतों से पारित होना इस बात का सबूत है कि ये विधयेक महिलाओं के विरुद्ध है। आधुनिक होते समाज में जब इस तरह की कुप्रथा की वकालत की जाने लगे तो इसके परिणाम भी गम्भीर ही होंगे। महिलाएं सभ्य समाज की वह नींव है जिस पर सुनहरा भविष्य टिका है। लेकिन इस नींव को कमज़ोर कर दिया जाएगा तो पूरी सामाजिक व्यवस्था ही ध्वस्त हो जाएगी। लेकिन ये हमारे समाज का कड़वा सच ही है कि आज भी पितृसत्तात्मक समाज का वर्चस्व है। ये दुनिया के हर कोने में मौजूद है।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) की रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में 23 करोड़ महिलाएं और बच्चियां ने खतना का दर्द झेला है। जबकि पिछले आठ वर्षों में खतना करने वाली महिलाओं और बच्चियों की संख्या में तीन करोड़ यानी 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में इस कुप्रथा पर रोक लगा दी गई है, बावजूद इसके आज भी ये प्रथा हमारे समाज में निभाई जा रही है। इक्वलिटी नाउ नामक संस्था की रिपोर्ट ने भी इस बात की पुष्टि की है। ये प्रथा दुनिया के 92 से ज्यादा देशों में जारी है। भारत भी इस कुरीति से अछूता नहीं है। भारत में दाऊदी बोहरा समुदाय की महिलाएं इस दर्दनाक त्रासदी को झेल रही है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, 14.4 करोड़ से अधिक मामलों के साथ अफ्रीकी देश इसका सबसे अधिक दंश झेल रहे हैं। दूसरे नंबर पर एशिया है, जहां आठ करोड़ महिलाओं ने इस दर्द की त्रासदी को झेला है। ये कुप्रथा छोटे, अलग समुदायों और दुनिया भर में प्रवासियों के बीच भी फैली हुई है। कई प्रवासी तो सिर्फ इसलिए अपने देश लौटकर आते है ताकि अपनी बच्चियों के ख़तना करवा सकें। सोचिए आज भी हमारा समाज लड़कियों के प्रति कितना संवेदनहीन है। हम आधुनिक होने का चाहे जितना ढोंग क्यों न कर लें लेकिन जब बात महिलाओं की आती है तो हमारे समाज का नज़रिया पल भर में बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि इससे ज्यादा दर्दनाक क्या होगा, जब किसी के शरीर का एक हिस्सा सिर्फ इसलिए काट कर अलग कर दिया जाता है, क्योंकि एक प्रथा ऐसा करने के लिए कहती है। किसी धर्म विशेष का चोला पहनाकर महिलाओं का प्रताड़ित करने की रवायत सदियों से चली आ रही है। हम उस दर्द का अहसास भी नहीं कर सकते। वो भी किसी महिला के ऐसे अंग को जो उसकी नारी होने के पहचान है। किसी समाज को कोई हक़ नहीं बनता की वह उसके वजूद को ही मिटा दे। यह अमानवीय प्रथा ने केवल उस समाज के लिए बल्कि पूरी मानव जाति के लिए शर्मसार करने वाली है। ये केवल संस्कृति से जुड़ा मुद्दा नहीं है। यह नारी की अस्मिता और उसके स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा भी है। इसके कारण महिलाओं मो कई गम्भीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो रक्तस्त्राव, बुखार, संक्रमण और मानसिक अवसाद जैसी समस्या भी पैदा हो जाती है। कई बार तो मासूम बच्चियां की ख़तना के दौरान मृत्यु भी हो जाती है।

गाम्बिया में, औसतन हर दूसरी लड़की इस यातना से गुज़र रही है। इस प्रथा का शिकार होने वाली लड़कियों और महिलाओं को, इसके गम्भीर शारीरिक व मानसिक परिणाम झेलने पड़ते हैं। ख़तना की शिकार हुई महिलाओं को, बच्चे को जन्म देते समय जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं ख़तना करवाने के बाद महिलाओं में कुछ ऐसी समस्याएं भी होती हैं। जिसके कारण उनका समुदायों से बहिष्करण और पतियों द्वारा तलाक़ तक दे दिया जाता है। ऐसे में अब वक्त की नज़ाकत कहती है कि सिर्फ़ परंपरा या झूठी शान की वज़ह से किसी को पीड़ा देना उचित नहीं। ख़तना से होने वाले दुष्प्रभावों को दरकिनार करना भी ग़लत है। स्त्री-पुरूष दोनों समानता के हक़दर है। ऐसे में किसी एक को रीति-रिवाज़ के नाम पर कष्ट देना ठीक नहीं। एक बात और महिलाओं का दर्द महिला ही समझ सकती है, इसलिए सिर्फ़ पुरूष को अधिकार नहीं कि वो महिलाओं से जुड़ा फ़ैसला स्वयं ले। (लेखक-सोनम लववंशी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8028

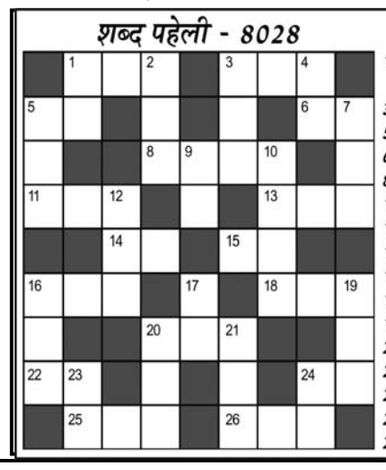

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8027 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

जोकोविच फ्रैंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही फ्रैंच ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। इस जीत के साथ ही जोकोविच ने अपना रिकॉर्ड 370वां ग्रैंडस्लैम मैच जीता है। जोकोविच ने 23वीं रैंकिंग वाले फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका समना अगले मैच में सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। जोकोविच और फ्रांसिस्को का मुकाबला तकरीबन साढे चार घंटे तक चला। इस दौरान जोकोविच घुटने में दर्द से परेशान दिखे।

दूसरे सेट की शुरूआत में एक समय लगा कि जोकोविच को मुकाबले से हटना होगा पर वह किसी प्रकार से मुकाबले में बने रहे। पिछले साल फ्रेंच ओपन के खिताबी मुकाबले में जोकोविच ने रूड को हराया था। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का मुकाबला जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

नॉर्खिया ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अपना जादू दिखाया, आईपीएल में रहे थे विफल

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। आईपीएल में अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं का शिकार हुए दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अपना रंग दिखाया है। नॉर्खिया ने इस मैच में श्रीलंकाई टीम के खिलाफ धातक गेंदबाजी करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। नॉर्खिया ने अपने स्पेल के चार ओवर में सिर्फ 7 रन खर्च किए जिसमें उन्होंने चार विकेट झटके। उनको इस दमदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच भी चुना गया।

इससे पहले नॉर्खिया को आईपीएल के शुरुआती मैचों में खराब गेंदबा

चुनाव परिणाम के रुझान आशानुरुप न आने से अडानी एंटरप्राइजेज व एससीसी के शेयरों में 7 से 10 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन अडानी समूह के सभी शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। सोमवार को अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। लेकिन, चुनाव परिणाम के रुझान आशानुरुप न आने से आज सभी अडानी स्टॉक्स धड़ाम हो गए। शेयर बाजार में भी आज जोरदार गिरावट देखी जा रही है। सुबह 10:35 बजे निफ्टी 50 591 अंकों की गिरावट के साथ 22672.90 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह बीएसई सेंसेक्स 1,983.33 अंकों की गिरावट के साथ 74485.45 पर कारोबार कर रहा था।

अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर मंगलवार को 7 फीसदी तक गिर गया। यह एनएसई पर 8 फीसदी की गिरावट के साथ 3337.40 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह अडानी ग्रीन एनर्जी 7.48 फीसदी की गिरावट के साथ 1886.35 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

अडानी पोर्ट्स करीब 10 फीसदी गिरकर 1436 पर ट्रेड कर रहा था। अडानी पावर शेयर में आज 7.29 फीसदी की गिरावट दिखी और यह शेयर एनएसई पर 810.75 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अडानी टोटल गैस 9.13 फीसदी की गिरावट के साथ 1015.55 रुपए, अंबूजा सीमेंट्स शेयर 9.36 फीसदी की गिरावट के साथ 609.10 रुपए पर कारोबार कर रहा था। एसीसी लिमिटेड में 7.56 फीसदी तो एनडीटीवी करीब नौ फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

सैफई के यादव परिवार के सभी प्रत्याशियों ने फहराया जीत का परचम

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव-2024 में यूपी में समाजवादी पार्टी ने इण्डिय गठबंधन के साथ मिलकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। भाजपा नेता लगातार समाजवादी पार्टी को 'परिवारवादी' पार्टी करार देते हुए नहीं थकते थे। वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अपने परिवार के स्वयं सहित पांच लोगों को चुनावी रण में उतारा था। इन सभी ने बड़े अंतर से भाजपा प्रत्याशी को सीधे मुकाबले में पराजित किया।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव को कन्नौज से, डिम्पल यादव को मैनपुरी से, बदायूं से आदित्य यादव को, फिरोजाबाद से अक्षय यादव को तथा आजमगढ़ से धर्मेन्द्र यादव को प्रत्याशी बनाया था। इन सभी ने जीत दर्ज की है। अखिलेश यादव ने कन्नौज से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को करीब एक लाख 70 हजार वोटों से पराजित किया। वहीं उनकी पत्नी डिम्पल यादव ने मैनपुरी से भाजपा प्रत्याशी एवं यूपी सरकार में काबीना मंत्री जयवीर सिंह को करीब दो लाख 21 हजार वोटों से हराया। इसी प्रकार आजमगढ़ से धर्मेन्द्र यादव ने भाजपा प्रत्याशी एवं भोजपुरी फिल्मों को नायक दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' को करीब एक लाख 60 हजार वोटों से हराया। वहीं बदायूं से आदित्य यादव ने भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शाक्य को करीब 35 हजार मतों से पराजित किया। जबकि फिरोजाबाद से अक्षय यादव ने भाजपा के विश्वदीप सिंह को करीब 90 हजार मतों से शिकस्त दी। विदित हो कि अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र हैं।

महाराष्ट्र में मतदाताओं ने बता दिया कौन हैं....असली और नकली शिवसेना

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में न सिर्फ जनादेश आया है, बल्कि असली और नकली पार्टी का भी फैसला हो गया। चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी ने उद्धव की शिवसेना और एनसीपी (शरतचंद्र पवार) को नकली बताकर तंज कसे थे, लेकिन जनता ने अपने जनादेश में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की मुराद पूरी कर दी। चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त शिंदे की शिवसेना पांच सीटों पर सिमट गई। इसतरह घड़ी चुनाव चिह्न पर हक पाने वाले अजित पवार भी एसीपी ब्रांड के साथ सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर सकी। बीजेपी खुद 12 सीट पर ही कब्जा कायम रखते दिख रही है, भाजपा को खुद 11 सीटों का नुकसान हुआ। इसके उलट पिछले चुनाव में 2 सीट जीतने वाली कांग्रेस 11 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

एक साल पहले 2 जुलाई 2023 को अजित पवार ने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी। करीब 40 विधायक भी उनके समर्थन में आ गए। 8 विधायकों के साथ अजित एनडीए की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। फिर पार्टी पर अधिकार का मामला चुनाव आयोग, विधानसभा स्पीकर और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां उन्हें घड़ी चुनाव चिह्न भी मिल गया। इसके बाद वह एनसीपी के मुखिया भी बन गए। इससे पहले जून 2022 में एकनाथ शिंदे बागी बने। वह 16 विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के खिलाफ चले गए। करीब 15 दिनों के ड्रामे के बाद उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया और महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की सरकार बनी। यह मामला भी चुनाव आयोग तक पहुंचा। आयोग ने पार्टी का नाम और सिंबल तीर कमान शिंदे के हाथ में दे दिया। तकनीकी नजरिये से शिंदे की शिवसेना और अजित की एनसीपी असली पार्टी बन गई।

पूरे चुनाव प्रचार के दौरान एनडीए और एमवीए में असली और नकली पर बवाल हुआ। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्धव की सेना और पवार की एनसीपी को नकली बताया। चुनाव विश्लेषक मानते हैं कि पीएम मोदी और बीजेपी ने शिंदे गुट और अजित पवार को असली बनाने की पूरी कोशिश की। अगर यह कोशिश कामयाब होती, तब ठाकरे परिवार और शरद पवार की राजनीति कुंद पड़ जाती। मगर चुनाव में उद्धव ने खुद को बाला साहेब ठाकरे का उत्तराधिकारी बताकर जनता से फैसला करने की अपील कर दी। लोगों की सहानुभूति उद्धव के साथ गई और चुनाव में वह 10 सीटे जीतकर असली बन गए और सरकारी कागजों में असली रहे शिंदे की सेना नकली बन गई। ऐसा ही हाल एनसीपी का रहा और शरद पवार 7 सीटें जीतकर साबित कर दिया कि पार्टी उनके दम ही चलती है, सिंबल पर नहीं। ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी को शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ महंगी पड़ी। खुद बीजेपी को 11 सीटों का नुकसान हुआ। दूसरी ओर, पार्टी में टूट के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार और मजबूत बनकर उभरे हैं।

आईएटीए जीएसटी शुल्क पर विदेशी एयरलाइनों के खिलाफ जांच पर चिंतित

दुबई (ईएमएस)। वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक भारतीय एजेंसी द्वारा कुछ विदेशी एयरलाइनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कुछ शुल्कों की जांच को लेकर मंगलवार को चिंता जाहिर की। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच शुरू कर है।

आईएटीए के भारत के कंट्री डायरेक्टर अमिताभ खोसला ने यहां कहा कि फिलहाल 10 विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच की जा रही है और यह कदम अभूतपूर्व है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने इस मुद्दे पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन दिया है। एयरलाइनों को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिले हैं। उत्तर एशिया एवं एशिया प्रशांत क्षेत्र (अंतरिम) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शी शिंगक्वान ने भी आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान आयोजित ब्रीफिंग में जीएसटी मुद्दे का उल्लेख किया। बयान में कहा गया ?कि भारत में एयरलाइन के शाखा कार्यालय विमान पट्टे, चालक दल और पायलट, ईंधन तथा रखरखाव लागत के लिए अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं। भारत से आने-जाने वाले सभी परिचालनों का निर्णय, नियंत्रण और संचालन एयरलाइनों के मुख्य कार्यालयों द्वारा लिया जाता है। भारत में शाखा कार्यालयों को किसी भी रणनीतिक या परिचालन जोखिम तथा कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराना कानूनी रूप से सही नहीं है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है।आईएटीए 330 से अधिक एयरलाइन का समूह है, जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभालता है।

टी20 विश्वकप में आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

न्यूयार्क (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत हासिल कर अपना मनोबल बढ़ाना रहेगा। इस मैच के लिए विराट कोहली भी भारतीय टीम से जुड़ गये हैं। भारतीय टीम ने अपने एकमात्र अभ्यास मैच में बांग्लादेश को हराकर था। उस मैच में जहां रोहित शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की पर ये जोड़ी सफल नहीं रही और सैमसन शुरुआत में ही आउट हो गये। वहीं तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत उतरे थे। ऋषभ ने शानदार अर्धशतक लगाया था जिससे अब माना जा रहा है कि सैमसन को इस मैच में शायद ही अवसर मिले।

इस मैच में रोहित साथ विराट कोहली ओपनिंग कर सकते हैं। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को शायद ही इस मैच में जगह मिले क्योंकि तीसरे नंबर पर ऋषभ को उतारा जा सकता है। बांग्लादेश अभ्यास मैच में ऋषभ ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की थी।

वहीं चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव का आना करीब तय है। वहीं नंबर 5 पर उपकप्तान हार्दिक पंडया उतर सकते हैं। अभ्यास मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। ये भी हो सकता है कि हार्दिक पंडया और शिवम दुबे दोनों को एक साथ ही अंतिम ग्यारह में अवसर दिया जाये। इसका कारण है कि ये दोनों ही ऑलराउंडर भी हैं। इसके बाद रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को अवसर दिया जा सकता है। ये दोनों गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी भी करते हैं। इसके बाद कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिरजा में से एक को मौका दिया जा सकता है।

वहीं दूसरी ओर पॉल स्टर्लिंग की कप्तानी में उतर रही आयरलैंड टीम भारत के सामने कहीं नहीं ठहरती इसके बाद भी आयरलैंड की टीम से भारत को सतर्क रहना होगा क्योंकि जिसने 2007 के वनडे विश्व कप में पाकिस्तान को बाहर किया था। दोनो के बीच टी20 विश्व कप में अब तक एक बार मुकाबला हुआ है। ये मैच टी20 विश्व कप 2009 में हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। आयरलैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भारतीय टीम के मुकाबले काफी कमजोर है।

भारत और आयरलैंड की टीमें टी20 इंटरनेशनल मैचों में 7 बार टकराई हैं। भारतीय टीम को इस दौरान सभी मैचों में जीत मिली है। दोनों टीमें पिछले साल (2023) में भिड़ी थीं, जहां भारत ने आयरलैंड को 2-0 से पराजित किया था। दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप 15 साल पहले भिड़ी थीं। 2009 में टी20 वर्ल्ड में भारत ने आयरलैंड को पराजित किया था।भारत और आयरलैंड के लिए अच्छी खबर है कि उनका कोई भी खिलाड़ी इस समय चोटिल नहीं है।

29 जून से शुरू होगी बाबा अमरनाथ की यात्रा, 52 दिन तक चलेगी

श्रीनगर(ईएमएस)। बाबा अमरनाथ के शिवलिंग का बर्फ से पूरा आकार बन गया है। इसकी तस्वीरें सामने आई हैं। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। 29 जून से शुरू होकर यात्रा 19 अगस्त चलेगी। पिछली बार 1 जुलाई से 60 दिन तक चली थी। पहली बार दोनों रूट पूरी तरह 5जी फाइबर नेटवर्क से लैस होंगे। 24 घंटे बिजली के लिए ज्यादातर खंभे लग चुके हैं। बाबा अमरनाथ के शिवलिंग का बर्फ से पूरा आकार बन गया है।

पहली बार दोनों रूट पूरी तरह 5जी फाइबर नेटवर्क से लैस होंगे। 24 घंटे बिजली के लिए ज्यादातर खंभे लग चुके हैं।बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, बालटाल से गुफा तक का 14 किमी रूट 7 से 12 फीट तक चौड़ा किया गया है। इस पर वाहन जा सकते हैं। हालांकि अभी सिर्फ सेना की गाड़ियों को ही अनुमति है। इमरजेंसी में इसी का इस्तेमाल होगा। पिछली बार दोनों रूट पर करीब 60 हजार जवान तैनात थे। इस बार लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में तैनात होने वाली अर्द्धसैनिक बलों की सभी 635 कंपनियों को वोटिंग के बाद यात्रा में तैनात किया जाएगा। श्राइन बोर्ड पहली बार मेडिकल इंतजाम भी बढ़ा रहा है। बालटाल और चंदनबाड़ी में सौ सौ बेड, एडवांस उपकरण, एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, कार्डियक मॉनिटर, लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल रहेंगे। यहां हवा में ऑक्सीजन कम रहती है, इसलिए यात्रा मार्ग पर 100 स्थाई ऑक्सीजन बूथ और मोबाइल ऑक्सीजन बूथ रहेंगे। पवित्र गुफा, शेषनाग और पंचतरणी में तीन छोटे अस्पताल होंगे।

कोयला खदान में 11 श्रमिकों की मौत

करांची(ईएमएस)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर से 40 किमी दूर संजादी की कोयला खदान में दम घुटने से कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल घानी ने पुष्टि की कि खदान में घातक मीथेन गैस के कारण दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। संजादी क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। घानी ने कहा, सभी श्रमिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात के रहने वाले थे। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें दफनाने के लिए उनके गृहनगर भेजा जाएगा। पाकिस्तान में खनन कार्य खतरनाक कार्य स्थितियों के लिए बदनाम है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी - सोना 72,300, चांदी लगभग 92,200 हजार रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ ही हुई। सोने के वायदा भाव 72,300 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,200 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। हालांकि बाद में सोने-चांदी के वायदा भाव नरम पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 53 रुपये की गिरावट के साथ 72,150 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 91 रुपये की तेजी के साथ 72,294 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 74 रुपये की तेजी के साथ 92,107 रुपये पर खुला। इस समय यह 157 रुपये की तेजी के साथ 92,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,371.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369.30 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 3.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,366.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.89 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.78 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.03 डॉलर की गिरावट के साथ 30.74 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चांद की मिट्टी लेकर रवाना हुआ चीन का अंतरिक्षयान

बीजिंग(ईएमएस)। चंद्रमा के सुदूर हिस्से से पत्थर और मिट्टी के नमूने लेकर एक अंतरिक्षयान चंद्र सतह से वापस पृथ्वी पर आने के लिए रवाना हो गया है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने कहा कि चांग ई-6 अंतरिक्षयान के 'एसेंडर' ने बीजिंग के समयानुसार मंगलवार को सुबह उड़ान भरी और उसने चंद्रमा के पास पहले से निर्धारित कक्षा में प्रवेश किया। चीन का कहना है कि इस अंतरिक्षयान को पिछले महीने प्रक्षेपित किया गया था और इसका 'लैंडर' रविवार को चंद्रमा की एक सुदूर सतह पर उतरा। अंतरिक्ष एजेंसी के हवाले से बताया कि अंतरिक्षयान ने योजना के तहत यान के 'एसेंडर' के अंदर रखे एक कंटेनर में नमूने एकत्रित किए। इस कंटेनर को एक 'री-एंट्री कैप्सूल' में रखा जाएगा जो 25 जून के आसपास चीन के आंतरिक मंगोलिया क्षेत्र के रेगिस्तान में पृथ्वी पर उतरेगा।

पीओके को लेकर मोदी सरकार के आक्रामक रुख से खौफ में पाकिस्तानी सेना पहाड़ों के अंदर सुरंगों का निर्माण कर रहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत में पीओके को लेकर मोदी सरकार के आक्रामक रुख से पाकिस्तान की सेना खौफ में जी रही है। पाकिस्तानी सेना के डर का खुलासा अब सैटलाइट तस्वीरों से हुआ है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी सेना ने अपने परमाणु अलर्ट के स्तर में बदलाव कर दिया है। पाकिस्तान अब पहाड़ों के अंदर सुरंगों का निर्माण कर रहा है, ताकि अगर भारत की ओर से हमला किया जाता है, तब उसके परमाणु बम सुरक्षित रहें। इतना ही नहीं पाकिस्तान अगर पहले परमाणु हमला करता है, तब उसकी गोपनीयता बनी रहे। हाल ही में पाकिस्तान की ओर से बयान आया है कि वह परमाणु बम को लेकर नो फर्स्ट यूज की नीति का पालन नहीं करता है।

भारतीय सेना के पूर्व कर्नल और सैटलाइट तस्वीरों के चर्चित एक्सपर्ट विनायक भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान इसलिए साइलो बना रहा है ताकि परमाणु वारहेड फिर चाहे वे मिसाइलों से अलग ही क्यों नहीं हो, उस सेंसर के जरिए पता नहीं लगाया जा सकता है। रिटायर भट्ट ने बताया कि इन नए साइलो को भूमिगत लांच सुविधा केंद्र नाम दिया गया है जो यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के स्ट्रैटेजिक प्लांस डिविजन ने अपना परमाणु रुख और युद्ध का डिजाइन बदल दिया है। इसके तहत लंबी दूरी की मिसाइलों को न्यूक्लियर फर्स्ट यूज स्ट्रेटजी में शामिल किया गया है।

भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान ने कराची और हैदराबाद शहरों में स्थित परमाणु सुविधा केंद्रों में विशेष अलर्ट जोन बनाया गया है जहां पर दोहरी बाड़ लगी है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्यक्ष रूप से दर्शाता है कि पाकिस्तान के न्यूक्लियर स्टेटस में बड़ा बदलाव कर दिया गया है ताकि बहुत तेजी से परमाणु हथियारों को लॉन्च के लिए तैयार किया जा सके। पाकिस्तान ने परमाणु ठिकानों के ढांचों में घुसने के लिए बनाई सुरंगों के बाहर कई ढांचे बनाए जा रहे हैं। इसके तहत कंक्रीट की परतें, स्टील प्लेट, विस्फोटक, स्टील प्लेट आदि को लगाया जा रहा है।

भारतीय विशेषज्ञ ने बताया कि पाकिस्तान की कोशिश है कि किसी तरह से भारतीय सेना के किसी हमले की सूरत में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को बचाया जा सके। बता दें कि पाकिस्तान के पास 170 से ज्यादा परमाणु बम है। कई विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान ने टैक्टिकल परमाणु बम बनाने में भी सफलता हासिल कर ली है। इन परमाणु बमों को हवा, पानी और जमीन के जरिए दागने के लिए पाकिस्तान ने गौर, गजनवी जैसी कई मिसाइलों और मिराज तथा जेएफ 17 जैसे फाइटर जेट को तैनात कर रखा है। इस बीच पाकिस्तान ने हाल ही में ऐलान किया था कि उसकी कोई नो फर्स्ट यूज की नीति नहीं है। इसका मतलब यह है कि अगर पाकिस्तान को लगता है कि उसके ऊपर बड़ा खतरा है, तब वह परमाणु बम का पहले भी इस्तेमाल कर सकता है। वहीं भारत की बात करें तो हिंदुस्तान आज भी नो फर्स्ट यूज की नीति का पालन करता है।

पीएसयू के शेयरों में 15 प्रतिशत तक गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और सरकारी बैंकों के शेयरों में मंगलवार को 15 प्रतिशत तक की गिरावट आई। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी मतगणना के शुरुआती रुझान में भाजपा को एग्जिट पोल की तुलना में कम सीट मिलने के बीच इनके शेयरों में गिरावट आई है। निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांक में 839.55 अंक की भारी गिरावट देखी गई और यह 7,166.60 पर आ गया। एनएसई पर पंजाब एंड सिंध बैंक का शेयर 14.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55.50 रुपये पर आ गया। इंडियन बैंक का शेयर गिरावट के साथ 528.75 रुपये पर और यूनियन बैंक मामूली गिरावट के साथ 148.90 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इनके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का शेयर 11.73 प्रतिशत गिरकर 799.45 रुपये पर आ गया। पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 10-10 प्रतिशत गिरकर क्रमशः 123.30 रुपये और 267.25 रुपये पर पहुंच गए। निफ्टी बैंक सूचकांक 2,806.40 अंक या 5.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,173.55 पर आ गया। निफ्टी पीएसई सूचकांक भी 1,221.55 अंक गिरकर 10,110.25 पर कारोबार कर रहा था। इसमें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पीएफसी, आरईसीएल और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों में 15 प्रतिशत की गिरावट आई। एनएसई पर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, ओएनजीसी, कोल इंडिया, एनटीपीसी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया, सेल और पावर ग्रिड के शेयरों में भी 10-10 प्रतिशत की गिरावट आई। पूर्वाह्न के सत्र में 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 1,371.85 अंक या 5.9 प्रतिशत गिरकर 21,892.05 पर आ गया था।

हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार और लोगों की मौत

तेलअवीव (ईएमएस)। इजराइल की सेना ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार और लोगों की मौत होने की पुष्टि की है, इसमें तीन बुजुर्ग शामिल हैं। हमास की ओर से जारी वीडियो में ये लोग रिहाई के लिए भीख मांगते नजर आए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन तीन व्यक्तियों की पहचान अमीरम कूपर, योराम मेट्जगर और हैम पेरी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे।

एसी-फ्रिज की मांग बढ़ने से कंपनियों ने बढ़ाई कीमतें

मुंबई (ईएमएस)। इस महीने से लोगों को रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, पंखे, किचन के सामान, वायर और पंप जैसे बिजली के सामान खरीदने के लिए 2-5 फीसदी ज्यादा कीमत चुकानी होगी। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हेवेल्स, बजाज इलेक्ट्रकल्स और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज जैसे बड़े निर्माता या तो पहले ही कीमत बढ़ा चुके हैं या फिर उन्होंने अपने डीलर्स को बताया है कि वे जल्द ही कीमतें बढ़ाने वाले हैं। ये कीमतें करीब 9 महीनों के बाद बढ़ी हैं। कॉपर और एल्यूमीनियम जैसी चीजों के दामों में 20-25 फीसदी की बढ़ोतरी, पिछले दो-चार महीनों में लाल सागर क्राइसिस के कारण माल ढुलाई लागत में तेजी के अलावा रुपए के कमजोर होने से बिजली उपकरणों के भाव में बढ़ोतरी की गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक होम अप्लायंस बनाने वाली कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने अपने व्यापारिक भागीदारों को व्हाट्ऐप मैसेज के माध्यम से बताया कि इनपुट लागत बढ़ी है। इसलिए हम जून से होम अप्लायंस सामानों में 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाएंगी। हालांकि इस बारे में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भेजे गए ई-मेल का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए कट्टरपंथी महिला उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए पेश की दावेदारी

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की 19 मई 2024 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनके निधन के बाद देश नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 28 जून को मतदान होना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक करीब 40 उम्मीदवारों ने इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद, पूर्व आईआरजीसी कमांडर वाहिद हघानियान, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव सईद जलीली शामिल हैं।

इसमें एक और नाम है जिसकी खूब चर्चा हो रही है। पूर्व महिला सांसद जोहरेह इलाहियन एक मात्र महिला उम्मीदवार हैं जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए दावेदारी पेश की है। अगर इलाहियन इस पद के लिए चुन ली जाती हैं तो यह ईरान के इतिहास में पहली बार होगा जब कोई महिला राष्ट्रपति बनेगी।

इलाहियन हिजाब की समर्थक हैं। कनाडा सरकार ने इसी साल मार्च में उनपर प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि वह ईरान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं के लिए मौत की सजा का समर्थन कर रही हैं। इलाहियन पेशे से डॉक्टर हैं और दो बार सांसद और संसद की नेशनल सिक्योरिटी एंड फॉरेन पॉलिसी कमेटी की मेंबर भी रह चुकी हैं। इलाहियन कट्टर विचारों के लिए जानी जाती हैं। राष्ट्रपति पद के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के बाद इलाहियन ने भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया और मजबूत सरकार, मजबूत अर्थव्यवस्था और मजबूत समाज का नारा दिया है।

साल 2018 में संयुक्त अरब अमीरात की प्रिंसेस लतीफा अपने एक फ्रेंच मित्र की मदद से यूएई से भाग गई थीं। उन्हें भारतीय सीमा के पास से गिरफ्तार कर वापस उनके देश भेज दिया गया था। इसके कुछ सालों बाद यूएई प्रिंसेस लतीफा ने अपने आप को बंधक बनाए जाने का दावा किया था। इस पर इलाहियन ने लतीफा को ईरान आने की सलाह दी थी। इलाहियन ने कहा था कि वे अगर ईरान आती हैं तो उन्हें इस्लामिक कानून के तहत आजादी से जीने का अधिकार दिया जाएगा।

मीडिया के मुताबिक इलाहियन की उम्मीदवारी के रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। ईरान के संविधान में यह साफ नहीं है कि एक महिला वहां की राष्ट्रपति बन सकती है या नहीं। यह एक विवादस्पद आर्टिकल 'गार्जियन काउंसिल' की व्याख्या पर निर्भर करती है। 'गार्जियन काउंसिल' कुछ उच्च अधिकारियों का एक समूह है। ये काउंसिल इतिहास में कई बार अहम पदों के लिए महिला उम्मीदवारों की नियुक्ति को अवैध ठहरा चुकी है।

इमरान को बड़ी राहतः सबूतों के अभाव में कोर्ट ने 10 साल की सजा रद्द की

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान की अदालत ने बड़ी राहत दी है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को इमरान खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को सबूतों के अभाव में साइफर केस (सीक्रेट लेटर चोरी) में बरी कर दिया है। इमरान खान और कुरैशी की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश आमिर फारुख और न्यायामूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने फैसला सुनाया। अदालत ने उनकी सजा पर रोक लगाते हुए कहा कि अगर उन्हें किसी अन्य मामले में हिरासत में नहीं रखा गया है, तो रिहा किया जाए।

सीक्रेट लेटर चोरी केस में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पिछले साल दोषी पाए गए थे। स्पेशल कोर्ट ने उन्हें देश की गोपनीयता भंग करने के आरोप में 10-10 साल की सजा सुनाई थी। इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी ने इस सजा को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

कंपनियां नहीं कर पाएंगी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावाः एफएसएसएआई

मुंबई (ईएमएस)। फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने सभी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह डिब्बाबंद प्रोडक्ट पर 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा न करें। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग और विज्ञापन के दौरान भी ऐसे क्लेम से बचना होगा। एफएसएसएआई ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने को कहा है। एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि फूड कारोबार से जुड़ी सभी कंपनियों फलों के जूस के डिब्बे पर लगे लेबल और विज्ञापन में से यह दावा हटाना होगा। एफएसएसएआई को जानकारी प्राप्त हुई थी कि कई कंपनियां लगातार ऐसे भ्रामक दावे कर रही हैं। इससे कस्टमर्स के स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। सभी एफबीओ को निर्देश दिया गया है कि वह पहले से छाप चुकी पैकेजिंग सामग्री को 1 सितंबर, 2024 से पहले खत्म कर लें। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन- 2018 के अनुसार कोई भी कंपनी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा नहीं कर सकती है। इन सभी जूस में सबसे ज्यादा मात्रा में पानी होता है। इसमें थोड़ी मात्रा में फ्रूट जूस या पल्प मिला देने से यह 100 फीसदी जूस नहीं हो जाता है। एफएसएसएआई के अनुसार ऐसे गुमराह करने वाले दावों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। सभी एफबीओ से कहा गया है कि वह फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन के नियमों के दायरे में काम करें, यदि उनके जूस में 15 ग्राम प्रति किलो से ज्यादा शुगर है तो उन्हें अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस के हिसाब से लेबल करना होगा। सभी कंपनियों को फलों के जूस के संबंध में बनाए गए नियमों का पालन करना होगा।

चीन ने अपने ही नागरिकों पर लगाया जासूसी का आरोप

ताइपे(ईएमएस)। चीन और ब्रिटेन के बीच अनबन चल रही है। ऐसे में चीन के ही लो

गुजरात की 25 सीटें भाजपा के खाते में, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने रिकार्ड जीत दर्ज की

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की 26 लोकसभा सीटों में से 25 सीटें भाजपा के खाते में गई हैं, जबकि एक सीट पर कांग्रेस ने कब्जा किया है बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर ने 20 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की गांधीनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने राज्य में रिकार्ड वोटों से जीत हासिल की है अमित शाह को गांधीनगर सीट पर 744716 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सोनल पटेल को 157941 वोट हासिल हुए हैं बता दें कि सूरत लोकसभा सीट भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है सूरत से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं राज्य की 25 सीटों पर 7 मई को वोटिंग हुई थी जिसमें एक सीट छोड़ अन्य सभी 24 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है कच्छ से भाजपा प्रत्याशी विनोद चावड़ा ने 267595 वोटों से चुनाव जीत गए वहीं पाटन से भरतसिंह डाभी 30457, मेहसाणा से हरिभाई पटेल 328046, साबरकांठा से शोभन बारैया 155027, गांधीनगर से अमित शाह 744716, अहमदाबाद पूर्व से हसमुख पटेल 461755, अहमदाबाद पश्चिम (सुरक्षित) से दिनेश मकवाणा 286437, सुरेन्द्रनगर से चंदुभाई शिहोरा 260907, राजकोट से पुरुषोत्तम रूपाला 480989, मनसुख मांडविया 380285, जामनगर से पूनम माडम 237171, जूनागढ़ से राजेश चूडास्मा 135494, अमरेली से भरत सूतरिया 321068, भावनगर से नीमुंबेन बांभणिया 455289, आणंद से मितेश पटेल 89939, खेडा से देवुसिंह चौहाण 357758, पंचमहल से राजपालसिंह जादव 506043, दाहोद (सुरक्षित) से जशवंतसिंह भाभोर 333496, वडोदरा से डॉ. हेमांग जोशी 582126, छोटाउदेपुर (सुरक्षित) से जशुभाई राठवा 397294, भरुच से मनसुख वसावा 87070, बारडोली (सुरक्षित) से 231818, सूरत से मुकेश दलाल (निर्विरोध विजेता), नवसारी से सीआर पाटील 767969 और वलसाड (सुरक्षित) सीट से भाजपा प्रत्याशी 210704 वोटों से चुनाव जीत गए हैं

गुजरात विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा की सभी 5 सीटों पर जीत

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के साथ गुजरात विधानसभा की 5 सीटों पर उपचुनाव के लिए 7 मई को वोटिंग हुई थी लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा सीटों के नतीजे भी सामने आ रहे हैं भाजपा ने राज्य की सभी 5 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है इन विधानसभा सीटों में माणावदर, खंभात, पोरबंदर, विजापुर और वाघोडिया शामिल हैं भाजपा ने 5 में से 4 सीटों पर कांग्रेस से आए 4 नेताओं अर्जुन मोढवाडिया, चिराग पटेल, सीजे चावडा और अरविंद लाडानी को उम्मीदवार बनाया था जबकि एक निर्दलीय प्रत्याशी को वाघोडिया से टिकट दिया था माणावदर विधानसभा सीट से अरविंद लाडानी ने 30798 वोटों से जीत दर्ज की है लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद लाडानी कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे वाघोडिया सीट से धर्मेन्द्रसिंह वाघेला ने 61761 वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी को करारी शिकस्त दी है धर्मेन्द्रसिंह वाघेला इसी सीट से निर्दलीय विधायक थे जो चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे भाजपा ने उन्हें वाघोडिया सीट से उम्मीदवार बनाया था पोरबंदर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन मोढवाडिया ने 1 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की है विजापुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीजे और खंभात से भाजपा उम्मीदवार चिराग पटेल भी चुनाव जीत गए हैं

''एक अकेला सब पर भारी'' कहनेवाले अब अपने दम सरकार बनाकर दिखाएं : शक्तिसिंह गोहिल

अहमदाबाद (ईएमएस) संसद में ''एक अकेला सब पर भारी'' का दावा करने वाले अब केन्द्र में अपने दम पर सरकार बनाकर दिखाएं यह कहना है गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल का बगैर किसी का नाम लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा पर कड़े प्रहार करते हुए शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि एग्जिट पोल के बाद भाजपा नेता ऐसा व्यवहार करने लगे थे जैसे वास्तविक नतीजे आ गए हों लोकसभा चुनाव के आज सामने आए नतीजों में देश की जनता ने भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं दिया है उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी वह चाहे अकाली दल हो, जनता दल यूनाइटेड हो या फिर तेलगु देश पार्टी हो, किसी के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने में भाजपा ने कोई मौका नहीं छोड़ा मेरा मानना है कि एनडीए का सहयोगी दल अब भाजपा के साथ नहीं रहेंगे ''मैं अकेला सब पर भारी'' का दावा करने वाले अब अपने दम पर सरकार बनाकर दिखाएं प्रधानमंत्री ने इंडिया गठबंधन की मजाक उड़ाते थे उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस में पूरा रिफ्लेक्ट होता है इंडिया गठबंधन से ए निकाल इंडी गठबंधन कहते थे अगर एनडीए गठबंधन से ए निकाल कर उच्चारण करें तो एनडी यानी नरेन्द्र दामोदरदास एलायंस मैं अकेला सब पर भारी' का अहंकार करने वाले अब अकेले सरकार बनाकर दिखा दें उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को साथ लेकर चलना पड़ता है, अहंकार से कुछ हांसिल नहीं होता गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि अहंकार के पतन की शुरुआत बनासकांठा से हो गई है भाजपा ने लोकतंत्र को कलंकित किया है अबकी बार 400 पार का अहंकार ही भाजपा को ले डूबा है मतदाताओं ने तय कर लिया था कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक महत्वपूर्ण होता है खेल में समान व्यवस्था दोनों ओर होनी चाहिए उन्होंने कहा कि बनासकांठा सीट से विजेता गेनीबेन ठाकोर अब देश की बहन बन गई है अब बनासकांठी की बहन का आवाज लोकसभा में गूंजेगा

दिनेश मकवाणा ने कांग्रेस उम्मीदवार को करीब तीन लाख वोटों से हराया

अहमदाबाद, ०४ जून। सातों चरणों की वोटिंग खत्म होने के बाद अब रिजल्ट की बारी है। चार जून यानी मंगलवार को लोकसभा चुनाव के परिणाम आ गए। अहमदाबाद पश्चिम सीट इस बार भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदल दिया है। इस वजह से सबकी निगाहें भी इस सीट पर टिकीं है। भाजपा के दिनेश मकवाणा के खिलाफ कांग्रेस ने भी भरत मकवाणा को उतारा है।

गुजरात की अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा सीट का परिणाम घोषित हो चुका है। बीजेपी उम्मीदवार दिनेश मकवाणा ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार भरत मकवाणा को करीब तीन लाख वोटों से हराया है। लोकसभा चुनाव २०२४ में कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली।

भारतीय जनता पार्टी ने इस बार दिनेश मकवाणा पर दांव खेला था। वहीं, कांग्रेस ने भरत मकवाणा को टिकट दिया था। दिनेश मकवाणा पेशे से वकील हैं। जनता की अदालत में उनके भाग्य का फैसला मंगलवार यानी चार जून को हो गया। लोकसभा चुनाव २०२४ में अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान हुआ था। लोकसभा चुनाव २०१९ में भाजपा प्रत्याशी डॉ. किरीट पी. सोलंकी ने चुनाव जीता था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी शजू परमार को शिकस्त दी थी।अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा सीट पर मतदाताओं की कुल संख्या १६,४३,३१७ हैं। इसमें से पुरुष मतदाताओं की संख्या ८,५१,८६२ और महिला मतदाताओं की संख्या ७,९१,४३० हैं।

मनसुख मांडविया की बड़ी जीत

कांग्रेस उम्मीदवार ललित वसोया को चार लाख वोटों से हराया

पोरबंदर लोकसभा सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या १६,६२,३६८ हैं, इनमें ८,६५,३८७ पुरुष और ७,९६,९६९ महिला मतदाताओं की संख्या

अहमदाबाद, ०४ जून। गुजरात की पोरबंदर लोकसभा सीट पर मुकाबला दिलचस्प है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के खिलाफ कांग्रेस के ललित वसोया की चुनौती है। वसोया २०१९ में इसी सीट पर लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। पार्टी ने दूसरी बार उन पर भरोसा जताया है। अब मंगलवार को यह देखना होगा कि जनता किसका साथ देती है।

पोरबंदर लोकसभा सीट का परिणाम घोषित हो गया है। बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनसुख मंडाविया ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार ललित वसोया को करीब चार लाख वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के चलते यह सीट हाई-प्रोफाइल बन गई है। लोकसभा चुनाव २०२४ में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला था।

भाजपा से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया तो कांग्रेस से ललित वसोया ने चुनाव लड़ा था। मंगलवार को भाग्य का फैसला हो गया। ललित वसोया २०१९ में भी चुनाव हार चुके हैं। मगर पार्टी ने दोबारा उन पर भरोसा जताया था। इस सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच था। छह निर्दलीय समेत कुल १२ प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। लोकसभा चुनाव २०२४ में पोरबंदर लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में ०७ मई को मतदान हुआ था।

२०१९ के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रमेशभाई लवजीभाई धडुक ने जीत का परचम लहराया था। मगर पार्टी ने इस बार उनका टिकट काट दिया। रमेशभाई ने पिछले चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी ललित वसोया को हराया था। पोरबंदर लोकसभा सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या १६,६२,३६८ हैं। इनमें ८,६५,३८७ पुरुष और ७,९६,९६९ महिला मतदाताओं की संख्या है।

भाजपा के किले में सेंध लगाने में कितना कामयाब रही कांग्रेस?

अहमदाबाद, ०४ जून। पीएम मोदी और अमित शाह का गृहराज्य गुजरात है। २०१९ और २०१४ के बाद अब देखना यह है कि क्या २०२४ के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा इस राज्य में अपनी जीत कायम रख पाएगी या कांग्रेस और आप, भाजपा के इस मजबूत किले में सेंध लगाएगी? बता दें कि गुजरात की २६ लोकसभा सीटों में से २५ पर ७ मई को एक ही चरण में चुनाव हुए थे। २५० से अधिक उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें ६०.१३ प्रतिशत मतदान हुआ था।

गुजरात लोकसभा चुनाव के नतीजों की आज घोषणा होगी। राज्य की २६ सीटों पर किसकी जीत होगी इसका जल्द ही फैसला हो जाएगा। बात करें २०१९ के लोकसभा चुनाव की तो भाजपा ने गुजरात में क्लीन स्वीप कर दिया था। वहीं, कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पाई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में भाजपा २०१४ और २०१९ की अपनी जीत को दोहराना चाहती है। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गुजरात में इस बार चुनाव लड़ रही है। जहां कांग्रेस २४ सीटों पर तो आप २ सीटों पर यहां से चुनाव लड़ रही है।

गुजरात की बनासकांठा सीट पर दो महिलाओं के बीच कड़ा मुकाबला रहा। भाजपा से डॉ. रेखाबेन चौधरी तो कांग्रेस ने गनीबेन ठाकोर को चुनावी मैदान पर उतारा। इस समय गनीबेन लीड कर रही है। वह ६६,२६,३० वोटों से आगे है। गुजरात की नवसारी सीट से बीजेपी प्रत्याशी सीआर पाटिल लीड कर रहे है। वह रिकॉर्ड ९५,९२,८९ वोटों से आगे है। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के एनबी देसाई पीछे चल रहे है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर पहुंचे है। बता दें कि गुजरात की गांधीनगर सीट से अमित शाह लीड कर रहे है। वह ९३,०६,३० वोटों से बढ़त बनाए हुए है। गुजरात आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने लोकसभा चुनाव नतीजों पर दावा किया कि जिस तरह के रुझान आ रहे हैं और ७ से ८ राउंड हो चुके हैं, उससे साफ है कि इंडिया गठबंधन की सरकार केंद्र में बन सकती है।

गुजरात सरकार के मंत्रिमंडल में होगा विस्तार

अहमदाबाद, ०४ जून लोकसभा चुनाव के परिणाम बाद गुजरात सरकार के मंत्रिमंडल में विस्तार की संभावना जताई है। कहना है कि ७ से ८ नये मंत्री व बोर्ड निगम में राजनीतिक नियुक्तियां हो सकती है।

माना जा रहा है कि मंत्री पद की दौड में भाजपा के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव लड रहे अर्जुन मोढवाडिया व सी जे चावडा का नाम सबसे ऊपर है।

पहले 15 राउंड में आगे रहा कांग्रेस का उम्मीदवार अंतिम राउंड में चुनाव हार गया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा की 26 सीटों में से 25 सीटें भाजपा ने अपने नाम कर ली हैं सूरत सीट भाजपा पहले निर्विरोध जीत चुकी है और आज 24 सीटों पर भी जीत दर्ज कर ली उत्तर गुजरात की बनासकांठा और पाटन लोकसभा सीट ऐसी रही जहां काउंटिंग दौरान भाजपा और कांग्रेस में कभी खुशी कभी गम भर देती बनासकांठा सीट कांग्रेस जीत गई,

लेकिन पाटन सीट पर हार का मुंह देखना पड़ी काउंटिंग शुरू होने के बाद 15 राउंड की मतगणना के दौरान भाजपा उम्मीदवार भरतसिंह डाभी पर बढ़त बनाए रखने वाले कांग्रेस प्रत्याशी चंदन ठाकोर अंतिम राउंड में चुनाव हार गए अंतिम चरण की मतगणना के दौरान अचानक बाजी पलट गई और भाजपा उम्मीदवार भरतसिंह डाभी 30 हजार से भी अधिक वोटों से आगे निकल गए भरतसिंह डाभी के चंदन ठाकोर पर बढ़त बनाने के बाद सुबह से हताश भाजपा कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे पाटन से कांग्रेस उम्मीदवार चंदन ठाकोर के लिए राहुल गांधी ने भी प्रचार किया था चुनाव से पहले पाटन संसदीय क्षेत्र के करणसिंह ठाकोर समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो गए थे

क्षत्रिय आंदोलन का राजकोट सीट पर कोई असर नहीं, पुरुषोत्तम रूपाला की जीत

अहमदाबाद (ईएमएस) सौराष्ट्र की राजकोट सीट पर भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला 4 लाख से भी अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं जिससे स्पष्ट हो गया है कि मतदाताओं ने दबाकर भाजपा के पक्ष में वोट दिया पुरुषोत्तम रूपाला की विवादित टिप्पणी से क्षत्रिय समाज में भड़के आक्रोश का चुनाव नतीजों पर कोई असर नहीं दिख रहा दूसरी ओर राजकोट सीट से कांग्रेस प्रत्याशी परेश धानाणी ने हार स्वीकार ली है और कहा कि जनता का आदेश शिरोमान्य है चुनाव में ईमानदारी से प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली गौरतलब है पुरुषोत्तम रूपाला ने क्षत्रिय समाज को लेकर विवादित टिप्पणी की थी जिसे लेकर क्षत्रिय समाज भड़क उठा और राजकोट से उम्मीदवार बदलने की मांग की जबकि भाजपा पुरुषोत्तम रूपाला को माफ करने की अपील करता रहा भाजपा की कई कोशिशों के बावजूद क्षत्रिय अपनी मांग पर अड़ा रहा पुरुषोत्तम रूपाला को जब राजकोट सीट से नहीं हटाया गया तो क्षत्रिय समाज राज्य के सभी संसदीय क्षेत्रों में आंदोलन शुरू कर दिया हांलाकि जिस प्रकार गुजरात के नतीजे आ रहे हैं, उससे स्पष्ट हो गया है कि क्षत्रिय आंदोलन का चुनाव पर कोई खास असर नहीं हुआ मतदान के बाद मतगणना के दिन भी सभी की नजरें राजकोट लोकसभा सीट पर गड़ी रही फिलहाल राजकोट लोकसभा सीट पर पुरुषोत्तम रूपाला 4 लाख से भी अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं राजकोट संसदीय क्षेत्र में जातिगत आंकड़ों पर नजर डालें तो यहां लेउवा पाटीदार का प्रभुत्व है यहां लेउवा पाटीदार 16.7 प्रतिशत, कडवा पाटीदार 9.1 प्रतिशत, कोली 14.9 प्रतिशत, मुस्लिम 9 प्रतिशत, क्षत्रिय 6.7 प्रतिशत, दलित 7.4 प्रतिशत, ब्राह्मण 4.10 प्रतिशत, भरवाड और रबारी 4 प्रतिशत तथा अन्य 28.1 प्रतिशत हैं माना जा रहा है कि कोली और पाटीदारों ने भाजपा के पक्ष में दबाकर वोटिंग किया इसके अलावा मोदी के हाथ मजबूत करने की पीएम मोदी की अपील भी काम कर गई हैं राजकोट की जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया हैं

गुजरात की इस विधानसभा सीट पर होगा उपचुनाव

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और उसके नतीजे भी सामने आ गए हैं गुजरात में लोकसभा चुनाव के साथ ही राज्य विधानसभा की 5 सीटों पर उपचुनाव हुए थे गुजरात में लोकसभा की 25 सीट और विधानसभा की 5 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है जबकि बनासकांठा लोकसभा सीट कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने जीत ली है गेनीबेन ठाकोर बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं गेनीबेन ठाकोर के सांसद चुने जाने से वाव विधानसभा रिक्त होगी इस कारण अब वाव विधानसभा सीट पर आनेवाले समय में उप चुनाव होना तय है

गेनीबेन ठाकोर बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा सीट से 2017 से विधायक हैं कांग्रेस को गेनीबेन ठाकोर से काफी उम्मीद थीं और उसमें वह खरी उतरी हैं दूसरी ओर भाजपा ने रेखाबेन चौधरी को उम्मीदवार बनाया था

शहर के दोनों मतगणना केन्द्रों पर १२ सौ सुरक्षाकर्मियों का पहरा

अहमदाबाद, ०४ जून। अहमदाबाद जिले की दो लोक सभा सीटों अहमदाबाद पूर्व और अहमदाबाद पश्चिम की मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मंगलवार को मतगणना होगी। अहमदाबाद की दो लोकसभा सीटों की मतगणना के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी की दूसरी रैंडमाइजेशन प्रक्रिया करतीं कलक्टर प्रवीणा डीके। उपस्थित मतगणना पर्यवेक्षक व अन्य अधिकारी।

लोकसभा चुनाव-२०२४ के लिए सात मई को हुए मतदान के बाद मंगलवार को वोटों की गिनती होगी। अहमदाबाद में अहमदाबाद पूर्व और अहमदाबाद पश्चिम दो सीट हैं। अहमदाबाद पूर्व सीट की मतगणना एल.डी. इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी जबकि अहमदाबाद पश्चिम सीट की मतगणना गुजरात कॉलेज में की जाएगी। मतगणना में १२०० कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

अहमदाबाद कलक्टर कार्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर प्रवीणा डी. के ,निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्तमतगणना पर्यवेक्षक पुनित यादव, अभिनव चन्द्रा, डॉ. जी विश्वनाथ और अशोककुमार दास की उपस्थिति में दूसरी रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के जरिए मतगणना कर्मचारियों को कम्प्यूटरीकृत पद्धति के जरिए ड्यूटी सौंपी गई। अहमदाबाद पूर्व और पश्चिम सीटों के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में १४ टेबल के तहत कुल ९८ टेबल बनाए गए हैं। डाक मतपत्र और ईटीपीबीएस गणना के लिए १२६ पर्यवेक्षक, १२६ सहायक पर्यवेक्षक, १४० माइक्रो पर्यवेक्षक सहित एक लोकसभा सीट पर ६०० कर्मचारी तैनात रहेंगे। इस लिहाज से दो सीटों के लिए १२०० से अधिक मतगणना कर्मचारी आवंटित किए हैं। इस स्टाफ का तृतीय रैंडमाइजेशन मतगणना से ठीक पहले मंगलवार सुबह ५.०० बजे मतगणना पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में किया जाएगा। उसके बाद उन्हें जो कार्य सौंपा जाएगा। वह वे करेंगे।

अहमदाबाद की दोनों सीटों के लिए मतगणना में लगे कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। दोनों स्थानों पर चुनाव प्रणाली द्वारा की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया जा चुका है। सोमवार को अहमदाबाद पूर्व निर्वाचन अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी विदेह खरे, निवासी अतिरिक्त कलक्टर सुधीर पटेल, अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी योगेश ठक्कर एवं नेहा गुप्ता की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीणा डी के ने एल डी इंजीनियरिंग मतगणना केन्द्र पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

अहमदाबाद शहर सेक्टर-१ के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नीरज बड़गूजर ने बताया कि मतगणना केन्द्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। १२०० सुरक्षा कर्मचारी तैनात रहेंगे। केन्द्र के बाहर पुलिस का बंदोबस्त है। केन्द्र के अंदर इमारत की सुरक्षा एसआरपीएफ के जिम्मे सौंपी गई है, जबकि मतगणना केन्द्र के अंदर कमरों की सुरक्षा में सीएपीएफ का पहरा है। हर रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बीडीडीएस, फायर सेफ्टी को सुनिश्चित किया है। मोबाइल के साथ किसी को भी मतगणना कमरे में जाने की मंजूरी नहीं होगी।

ट्रेलर और कार के बीच भीषण दुर्घटना में 6 लोगों की मौत, कार में सवार अन्य गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद (ईएमएस) भचाऊ के लाकडिया के निकट ट्रेलर और ईको कार के बीच हुई भीषण दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई जबकि 3 से 4 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर हैं यह हादसा सामखयारी-राधनपुर हाईवे पर हुआ जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले भचाऊ में लाकड़िया के निकट सामखयाली-राधनपुर हाईवे पर ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में इको कार सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई इस हादसे में कार में सवार 6 लोगों की मौत हो गई हैं ब्रिज मरम्मत के लिए फोरवे रोड पर बने डायवर्जन के कारण लाइन से गुजर रही ईको कार और ट्रेलर के बीच आमने-सामने की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे में मारे गए लोग राजकोट जिले के गोंडल के रहने वाले थे। खबर लगते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हादसे में मारे गए लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया इस हादसे में 3 से 4 लोगों के घायल होने की खबर हैं

गुजरात में कांग्रेस ने बनासकांठा सीट जीती, भाजपा का क्लीन स्वीप का सपना टूटा

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर गुजरात की बनासकांठा लोकसभा सीट जीतकर कांग्रेस ने भाजपा का गुजरात में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप का सपना तोड़ दिया बनासकांठा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने 20 हजार से अधिक वोटों से भाजपा प्रत्याशी रेखाबेन चौधरी का करारी शिकस्त दी है कभी कांग्रेस का गढ़ रहे बनासकांठा सीट भाजपा 2014 और 2019 में लगातार दो दफा जीत दर्ज की थी आज कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर ने बनासकांठा से जीत हासिल कर पार्टी का खोला है जीत के बाद गेनीबेन ठाकोर भावुक हो गईं और उन्होंने कहा कि बनासकांठा के मतदाता के प्रति आभार व्यक्त करती हूं बनासकांठा की जनता का ऋण उतार नहीं पाऊंगी बनासकांठा की जनता ने मुझे वोट नहीं बल्कि नोट भी दिए हैं और उसके लिए मैं जब तक जिंदा हूं और जागृत हूं तब तक मतदाताओं का ऋण चुका नहीं पाऊंगी हांलाकि जनता का ऋण उतारने के लिए हमेशा प्रयासरत रहूंगी बता दें कि कांग्रेस ने बनासकांठा लोकसभा सीट से मजबूत उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर मैदान में उतारा था गेनीबेन ठाकोर बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा सीट से 2017 से विधायक हैं कांग्रेस को गेनीबेन ठाकोर से काफी उम्मीद थीं और उसमें वह खरी उतरी हैं दूसरी ओर भाजपा ने रेखाबेन चौधरी को उम्मीदवार बनाया था रेखाबेन चौधरी शिक्षित होने के साथ ही बनास डेयरी के संस्थापक स्व. गलबाभाई पटेल की पौत्री हैं जो गेनीबेन के खिलाफ मजबूत महिला नेता थी

डीजल शेड साबरमती में सीपीआर और फर्स्ट एड कार्यशाला का आयोजन

अहमदाबाद, 05जून पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर डीजल शेड साबरमती में सीपीआर सप्ताह के अंतर्गत सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर डीजल शेड साबरमती श्री अशोक कुमार सहित उनकी टीम के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की टीम और लगभग 175 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया। एचसीजी हॉस्पिटल्स के क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट डॉ. बिनीत झवेरी ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और सीपीआर तकनीकों तथा मण्डल रेलवे हॉस्पिटल के वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशांत रंजन ने प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण दिया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती डॉ. भानुमती शेखर ने बताया की कार्डियोपल्मोनरी रिसिसिटेशन (ण्ड्रिं) एक जीवनरक्षक तकनीक है जो आपात स्थितियों में उपयोगी होती है जिसमें किसी की सांस या दिल की धड़कन रुक जाने पर सीपीआर देकर लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस कार्यशाला में डीजल शेड के बड़ी संख्या में रेलकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की।

अधिकारियों और पर्यवेक्षकों सहित सभी उपस्थित लोगों को सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। एचसीजी अस्पताल द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को भागीदारी प्रमाण पत्र **(Participation certificate)** दिया जाएगा। यह एक बहुत ही संवादात्मक कार्यक्रम था जिसमें अधिकारियों और पर्यवेक्षकों सहित सभी उपस्थित लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिष्ठित चिकित्सकों के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य रेलवे कर्मियों को आवश्यक जीवन रक्षक कौशल से लैस करना है।

रामकथा शून्य और पूर्णांक का सेतु है॥

बापू ने कहा रामचरितमानस में बाल्मीकि शब्द सात बार और रामायण शब्द चार बार आया है।।यहां गंडकी नदी में कोई परिवार स्नान करने गया और अकस्मात के कारण जो मृत्यु हुई वो सभी के लिए श्रद्धांजलि और 50,000 की राशि तुलसीपत्र के रूप में बापू ने अर्पण की॥

बापू ने कहा महाभारत का कारण क्या है?एक शब्द है:नियति।।संसार में कुछ घटना घटती है वहां नियति काम करती है॥ नियति का स्विकार करो और नियत को साफ रखो॥

ओशो हर विधि के पहले सक्रिय ध्यान करवाते थे बापू ने कहा हमारे टाट बाबा अक्रिय ध्यान करते हैं। लेकिन यदि मुझे पूछा जाए तो,ना सक्रिय,न अक्रिय लेकिन सहज ध्यान कहूं॥

क्योंकि मेरे लिए भजन ही यम है।भजन ही नियम है। भजन ही आसन,प्राणायाम,प्रत्याहार,धारणा, ध्यान और समाधि है॥भजन मेरा अष्टांग योग है॥ भजन ही सब कुछ है।।तुलसी का सहज शब्द बहुत प्यारा है।।उत्तमा सहजावस्था।सहज अवस्था उत्तम है।।नियम आदमी को स्वाभाविक नहीं रहने देता। सहज बैठो।सहज उठो। हर स्थिति में कुछ भी हो जाए सहज रहो॥

विक्की जैन कहते हैं, ''बिग बॉस में मैंने खाना बनाया था, और इससे मुझे लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के लिए साइन अप करने का आत्मविश्वास मिला।''

कलर्स एक अनोखा कलिनरी-कॉमेडी क्रॉसओवर 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो नॉन-स्टॉप मनोरंजन का महोत्सव लेकर आता है। 12 लोकप्रिय एंटरटेनर एक शानदार कुकिंग शो डाउन के लिए एक बिखरी हुई किचन में कदम रख रहे हैं जो वाकई बेहद मज़ेदार होगा। रेसिपी को बिगाड़ने से लेकर जोक्स सुनाने तक, वे हंसी का तूफान लाने के लिए तैयार हैं। इस किचन में कृष्णा अभिषेक - कश्मीरा शाह, विक्की जैन - अंकिता लोखंडे, राहुल वैद्य - अली गोनी, रीम समीर शेख - जन्नत ज़ुबैर, करण कुंद्रा - अर्जुन बिजलानी, और सुदेश लेहरी - निया शर्मा जैसे सितारे शेफ की भूमिका निभाएंगे। कॉमेडी क्वीन भारती सिंह अपने ह्यूमर का तड़का लगा रही हैं, सेलिब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोखी इन नौसिखिए शेफ्स की मदद कर रहे हैं, और उनके व्यंजनों की रेटिंग कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स के बीच, विकी जैन ने इस हंसी के दंगल में कदम रखने का अपना अनुभव साझा किया।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और दिल्ली के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाएगी

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रियों की सुविधा के लिए और यात्री यातायात की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और दिल्ली के बीच विशेष किराये पर ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन नंबर 04006/04005 बांद्रा टर्मिनस - दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (08 यात्राएं)

ट्रेन नंबर 04006 बांद्रा टर्मिनस - दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल 06, 08, 10 और 12 जून, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 04.00 बजे प्रस्थान करेगी। और अगले दिन प्रातः 06.00 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04005 दिल्ली - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 04, 06, 08 और 10 जून, 2024 को 23.50 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी। और तीसरे दिन 01.55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

रास्ते में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, नडियाद, अहमदाबाद, गांधीनगर कैपिटल, पालनपुर, आबू रोड, फालना, अजमेर, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर कोच शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 04006 की बुकिंग 05.06.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry. lâianrail .gov.in** पर जा सकते हैं।